www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 205 || लखनऊ
मंगलवार
27 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:12
सूर्यास्तः 05:27
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 07

विशेष समाचार | स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा ... >> पेज 04 | यूजीसी के नियमों के विरोध में ... >> पेज 06 | दावा : टाइगर श्रॉफ नहीं, आमिर खान थे ...

भारत ने ई100 ईंधन को दी मंजूरी

100% एथेनॉल से चलने वाले वाहनों का रास्ता हुआ साफ

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 100 प्रतिशत एथेनॉल यानी E100 ईंधन से चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिए रास्ता साफ हो गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित किया। इसके तहत ज्यादा एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन के इस्तेमाल से जुड़ी व्यवस्था को स्पष्ट किया गया है। हालांकि, E85 और E100 ईंधन का इस्तेमाल केवल उन्हीं गाड़ियों में किया जा सकेगा, जिन्हें इसके अनुकूल डिजाइन और प्रमाणित किया गया है। नियमों में संशोधन के तहत वाहन वर्गीकरण की कुछ सीमाओं, ईंधन विनिर्देशों और उत्सर्जन परीक्षणों में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी संदर्भों में भी बदलाव किया गया है। इससे प्रभावित हल्के पेट्रोल और डीजल वाहनों के लिए वजन की सीमा 3000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3500 किलोग्राम कर दी गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सामान्य पेट्रोल कारों में नहीं डाल सकेंगे ई85 और ई100

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल वाले ईंधन का इस्तेमाल सिर्फ उन वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें ज्यादा एथेनॉल मिश्रण के लिए तैयार किया गया है। इसका मतलब है कि सामान्य पेट्रोल या E20 पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों में E85 और E100 ईंधन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

नियमों में क्या बदला?

- E85 और E100 के लिए विशेष रूप से डिजाइन और प्रमाणित वाहन जरूरी।
- सामान्य पेट्रोल और E20 कारों में E85 या E100 का इस्तेमाल नहीं।
- प्रभावित हल्के पेट्रोल-डीजल वाहनों की वजन सीमा 3000 से बढ़ाकर 3500 किलोग्राम।
- **उद्देश्यः** कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना।

ध्यान दें: हर कार E100 से नहीं चलेगी। इसके लिए वाहन का E100 के अनुकूल होना जरूरी है।

एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और अन्य जैविक स्रोतों से किया जा सकता है। पेट्रोल में इसके मिश्रण से पेट्रोलियम ईंधन की खपत कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन ईंधन उत्पादन, उपलब्धता और वाहनों की तकनीक जैसे कारकों के आधार पर किया जाता है।

ज्ञानेश को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रोक देंगे : राहुल

दिल्ली के व्यापारी बोले- प्रदर्शन से 20 बाजार बंद होंगे, करोड़ों का नुकसान होगा

खड़गे ने एक्स पर लिखा- यह त्योहार का मौसम है, लेकिन इस समय आप कमरतोड़ महंगाई से जूझ रहे है। सरकार को इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं, क्योंकि वह सिर्फ वोट चोरी करना जानते है। इसी सिलसिले में 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में "वोट बचाओ, देश बचाओ" महा रैली होगी। आप से अपील है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए, इस रैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और इस मुहिम को सफल बनाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली को टालने से इनकार कर दिया। राहुल ने सोमवार को X पर लिखा कि दिल्ली के हर व्यापारी से हम प्यार करते हैं, उनकी बात सुन रहे हैं। मोदी जी से कहिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटा दें। 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

तमिलनाडु में ₹100 करोड़ का घोटाला, पूर्व मंत्री अरेस्ट

आरोप- 1000 प्राइवेट स्कूलों से पार्टी फंड के लिए पैसे लिए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और DMK नेता अनबिल महेश पोय्यामोझी को सोमवार को 100 करोड़ रुपये के प्राइवेट स्कूल घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। महेश पर आरोप है कि उन्होंने 2021 से 2026 तक स्कूल शिक्षा मंत्री रहने के दौरान 1,000 से ज्यादा प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधन से 'पार्टी फंड' के नाम पर पैसे वसूले। आरोप है कि इसके बदले स्कूलों को स्थायी मान्यता और अन्य प्रशासनिक मंजूरियां दी गईं। महेश ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत भी लगाई थी। सोमवार को उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

पुलिस का आरोप है कि महेश ने स्कूल प्रबंधन से कथित तौर पर 'पार्टी फंड' के नाम पर सीधे पैसे लिए या इस वसूली में भूमिका निभाई। जांच एजेंसी के अनुसार, कुछ गवाहों ने उनसे मुलाकात करने और स्कूलों की मंजूरियों के संबंध में बातचीत होने की बात कही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पिछली सरकारों में अंधेरे में काम होता था, कोई निवेशक आना नहीं चाहता था
मेरे आश्रम में 5 लाख का डीजल लगता था : योगी

आयोजन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कहा कि पिछली सरकारों में बिजली नहीं आती थी। स्थिति यह थी कि मेरे आश्रम में एक महीने में 5 लाख रुपए का डीजल खर्च हो जाता था। तब कोई निवेशक उत्तर प्रदेश नहीं आना चाहता था क्योंकि सारे काम अंधेरे में होते थे। सीएम योगी ने यह बात सोमवार को जीसीसी इनोवेशन समिट में कही। इसमें यूपी सरकार से 4 कंपनियो ने एमओयू किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' वाला प्रदेश बताते हुए कहा कि अब राज्य की प्रगति और विकास की गति ही उसकी क्षमता का जवाब है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 10 साल पहले अगर कोई यह कहता कि लखनऊ में जीसीसी इनोवेशन समिट जैसा आयोजन होगा, तो शायद यहां मौजूद लोगों में से कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश की चर्चा होती है, तो लोग पूछते हैं कि इस प्रदेश का मतलब क्या है। उनका जवाब होता है कि उत्तर प्रदेश असीमित संभावनाओं वाला राज्य है।

तक्षशिला, नालंदा और काशी की परंपरा का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत में अलग-अलग कालखंडों में ज्ञान और शिक्षा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। काशी, नवद्वीप, उज्जैन और कांचीपुरम जैसे केंद्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इन स्थानों की विद्वत्ता को व्यापक मान्यता प्राप्त थी। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान का प्रतिनिधित्व करता रहा है। आगे बढ़ने के लिए नए विचारों, नवाचार और वैश्विक सहयोग को स्वीकार करना जरूरी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में पिछली सरकार के कार्यकाल की आलोचना भी की।

फास्ट न्यूज

2.12 लाख करोड़ की रक्षा खरीद को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को तीनों सेनाओं के लिए 2.12 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी दी। इसमें मल्टीपरपज हेलिकॉप्टर, लंबी दूरी के कामिकाजे ड्रोन सिस्टम और हथियार शामिल हैं। इनमें करीब 82% खरीदी भारतीय उद्योगों से की जाएगी।

जामिया में चुनाव की मांग पर छात्रों का प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों का रविवार को भी छात्र, चुनाव की मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसके तहत अचानक सभी क्लास ऑनलाइन कर दी गईं। छात्रों का आरोप है कि यह कैंपस खाली कराने और 'स्टूडेंट यूनियन' (छात्र संघ) को बहाल करने की उनकी मांग को दबाने की एक सोची-समझी चाल है। गेट नंबर 4 पर एंट्री पाबंदियों को लेकर पुलिस और छात्रों के बीच बहस हो गई। जिन छात्रों के पास कॉलेज के रेगुलर आईडी कार्ड तो थे।

राज ठाकरे ने सोशल मीडिया से पीएम की डॉक्यूमेंट्री हटाई

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को सोशल मीडिया से एक डॉक्यूमेंट्री हटा दी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडाणी पर बनाई गई थी। राज ठाकरे ने कहा कि उन्होंने मुंबई पुलिस कमिश्नर के अनुरोध पर यह कदम उठाया।

हम साधु-संत नहीं, हमें प्रदेश के विकास के लिए कुर्सी चाहिए : अखिलेश यादव

सीएम योगी के बयान पर सपा प्रमुख का पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता और कुर्सी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, "हम राजनीति में सरकार बनाने और जनता की सेवा करने के लिए आए हैं। मैं कोई साधु-संत थोड़ी हूं, जो जंगल या मठ में चला जाऊंगा। हमें तो कुर्सी चाहिए, ताकि प्रदेश का विकास कर सकें।" अखिलेश यादव का यह बयान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस टिप्पणी के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि साधु-संतों का लक्ष्य सत्ता या कुर्सी नहीं, बल्कि लोक कल्याण और सेवा होता है। योगी ने सत्ता की लालसा को परिवारवाद और सत्ता के मोह से जोड़ते हुए विपक्ष पर निशाना साधा था। कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने पांच गरीब महिलाओं को नए घरों की चाबियां सौंपीं। उन्होंने पांच लाख रुपये में गरीबों के लिए मकान बनवाकर देने वाले मंतोष यादव को भी सम्मानित किया। राजनीतिक बयानबाजी के साथ कार्यक्रम में गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी प्रमुखता दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

कई बड़े चेहरों ने थामा सपा का दामन

लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने करीब 20 नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इनमें अमेरिका से आईं सबीना परवीन, बदायूं की दातागंज सीट से दो बार विधायक रहे सिनोद शाक्य, बिसौली के पूर्व विधायक कुशाग्र सागर, मेरठ के बसपा नेता दारा सिंह प्रजापति और पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी शामिल रहे। राम बहादुर पासी बसपा शासनकाल में मायावती के करीबी माने जाते थे।

इन नेताओं के सपा में शामिल होने को पार्टी के संगठन विस्तार के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

पड़ोसी ने ताबड़तोड़ गोलियां मारीं, 5 दिसंबर को होनी थी बेटे की शादी

कार पार्किंग को लेकर पिता-बेटे, भाई की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में दिनदहाड़े एक परिवार के 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इनमें पिता-बेटा और छोटे भाई शामिल हैं। वारदात सआदतगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 10:35 बजे हुई। नौबस्ता के ब्राह्मण टोला में रहने वाले शिवाजी तिवारी (62) सचिवालय के रिटायर्ड कर्मचारी थे। वह संघ के जिला सर कार्यवाह भी रह चुके हैं। उनके भाई शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु लखनऊ यूनिवर्सिटी में काम करते थे। शिवाजी के बेटे सुयश (30) का बिजली के सामान का कारोबार था। 5 दिसंबर को उसकी शादी होनी थी। शिवाजी का घर के सामने लगे बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरा बनाने को लेकर पड़ोसी ऋषभ शुक्ला से झगड़ा चल रहा था। सोमवार को शिवाजी तिवारी के बेटे सुयश (30) ने उसी चबूतरे के पास अपनी कार खड़ी कर दी। थोड़ी देर बाद जब शंभु बाहर निकले, तो ऋषभ उनसे झगड़ा करने लगा। शोर सुनकर शिवाजी भी बाहर निकल आए। इसी बीच ऋषभ ने दोनों को गोली मार दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

संघ कार्यकर्ता बोले- गाड़ी को लेकर झगड़ा होता था

हैदरगंज में रहने वाले संघ कार्यकर्ता आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि शिवाजी के बेटे सुयश की एक महीने बाद शादी होनी थी। हत्या करने वाला ऋषभ शुक्ला नहीं चाहता था कि सुयश की शादी हो। क्योंकि उसके घर में किसी की शादी नहीं हुई है।

बयान : 'दिमागी नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से दूर रहें, लोगों से अपील- पीएम का साथ दें

कॉकरोचों को पनपने न दें : सुवेंदु अधिकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और 'कॉकरोचों' को लेकर बयान दिया। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने की अपील की। सुवेंदु अधिकारी ने ये बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। सुवेंदु अधिकारी ने दो दिनों में दूसरी बार 'कॉकरोच' शब्द का इस्तेमाल करते हुए निशाना साधा। इससे पहले रविवार को रामनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि कॉकरोच और खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने इनसे निपटने के लिए कीटनाशक स्प्रे 'हिट' का उल्लेख किया था।

तमलुक में दिए बयान में सुवेंदु अधिकारी ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने और 'दिमागी नक्सल' तथा 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' को पनपने नहीं देने की अपील की। उनका यह बयान भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन के बाद आया।

सुवेंदु के निशाने पर कॉकरोच पार्टी क्यों, 2 वजहें...

1. SIR को लेकर कॉकरोच पार्टी सड़क पर उतर चुकी

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में अक्टूबर 2026 में कई बार प्रदर्शन और आंदोलन का आह्वान किया। 2 अक्टूबर को मुंबई से देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया गया। 3 अक्टूबर को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन हुआ और दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी विरोध दर्ज कराया गया। इसके बाद 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन का आह्वान किया गया।

2. कॉकरोच पार्टी ने जंतर-मंतर पर 36 दिन प्रदर्शन किया था

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून से 25 जुलाई तक NEET पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 20 जुलाई को CJP ने संसद तक का मार्च भी किया था। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था।

सुवेंदु की स्पीच, 3 बड़ी बातें

- **ममता राज्य को ग्रेटर बांग्लादेश बनाना चाहती थीं:** ममता सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को 'ग्रेटर बांग्लादेश' में बदलने की योजना बना रही थी।
- **ममता ने विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की:** 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी और 15 साल तक सत्ता में रही TMC सरकार ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की।
- **NCC में छात्रों का नामांकन रोकने की कोशिश:** TMC सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) में छात्रों के नामांकन को रोकने की कोशिश की और उसकी जगह 'जय हिंद वाहिनी' शुरू की। उन्होंने कहा कि NCC में शामिल होने से छात्रों को सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में चयन में मदद मिल सकती थी।

राहुल गांधी शाह मानहानि केस में 8 साल बाद बरी

जज ने 16 मिनट में फैसला सुनाया

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। तारीख- 8 मई 2018। राहुल गांधी ने बेंगलुरु में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अमित शाह का नाम लिए बिना कहा कि भाजपा ईमानदार राजनीति की बात करती है, जबकि उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष हत्या के एक मामले में आरोपी रहे हैं। उनके 10 सेकेंड में दिए इस बयान की आंच 8 साल तक दिखी। अगस्त 2018 में यूपी के सुल्तानपुर में दर्ज हुए केस का फैसला 26 अक्टूबर 2026 को आया है। कोर्ट ने राहुल को बरी कर दिया है और उनके बयान को अपमानजनक नहीं माना है। इस मामले में राहुल को दो बार बयान दर्ज कराने, एक बार पेश होने और आज फैसले के दिन सुल्तानपुर कोर्ट जाना पड़ा। राहुल आज सुबह 11:16 बजे कोर्ट में पेश हुए और 11:32 बजे फैसला आ गया, यानी महज 16 मिनट में। जज ने भाजपा नेता को फटकार भी लगाई। जज ने कहा- झूठी वाहवाही पाने के लिए इस तरह के मुकदमे दायर नहीं करने चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

खड़गे की तस्वीर चप्पलों से पीटी, बोले- जिस भाषा में समझ आएगा, उसी में जवाब देंगे

भाजपाइयों ने राहुल की तस्वीर जूतों से कुचली

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज में लालजी टंडन की प्रतिमा से गांधी प्रतिमा तक मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की तस्वीरों को जूतों से कुचला और मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरों को चप्पलों से पीटा। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लगातार की जा रही टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। वहीं, भाजपा नेता रणवीर सिंह कलशी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वे देश की जनता का विरोध बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। जिस भाषा में उन्हें समझ आएगा, उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा। लखनऊ में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मार्च निकाल रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पुलिसकर्मी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि देश विरोधी ताकतें देश को विभाजित करने का प्रयास कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे को इस टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। अगर वे माफी नहीं मांगते हैं, तो भाजपा कार्यकर्ता आगे भी प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा नेता रणवीर सिंह कलशी ने कहा कि राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वे देश की जनता का विरोध बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। जिस भाषा में उन्हें समझ आएगा, उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला मार्च

लखनऊ में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मार्च निकाल रहे हैं। कार्यकर्ताओं के हाथों में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले हैं। पुतलों के बीच कुत्ते को भी प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है। भाजपा कार्यकर्ता खड़गे की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं और माफी की मांग कर रहे हैं।

'पीएम के पिता के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल, बर्दाश्त नहीं करेंगे'

सीता सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे साथ युवा पीढ़ी यानी जेन-जी भी है। उनका आरोप है कि विपक्षी नेता जेन-जी को लेकर भी उल्टी-सीधी बातें करते हैं।

> **भाजपा कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरों को चप्पलों से पीटा। कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की।**

भाजपा ने अपने 13 लाख वोटर बढ़ाए : संजय सिंह

कई जिलों में मुसलमानों के नाम सूची से गायब किए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि भाजपा ने यूपी में अपने 13 लाख वोटर बढ़वाए। पीलीभीत जैसे कई जिलों में मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से कटवा दिए। 5 प्रतिशत नाम बचे हैं, जिनमें कुछ के पिता के नाम 'भीख मांगते हैं' और 'राम ने यादव को मारा' जैसे लिखे गए हैं।

संजय सिंह ने ये आरोप सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश की वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, काटने और मतदाताओं के विवरण में गलतियां होने का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के एक जवाब पर कड़ी आपत्ति जताई। संजय ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार मतदाता सूची में गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रही है, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से संतोषजनक जवाब देने के बजाय विवादित प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं।

संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव ने मतदाता सूची में दर्ज कुछ नामों और उनके विवरण में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए थे। इनमें 'राम ने यादव को मारा' जैसी एंट्री और मतदाताओं के नामों के साथ पिता के नाम में गलतियां शामिल थीं। उन्होंने 'मोहम्मद इकबाल बेग' नाम को गलत तरीके से 'मोहम्मद इकबाल भीख मांगते हैं' लिखे जाने का भी आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि इस तरह की गलतियां मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं।

फास्ट न्यूज

श्रद्धा से 3 दिन में कोई मिलने नहीं पहुंचा

लखनऊ । लखनऊ के चर्चित कारोबारी शिवा शर्मा मामले में आरोपी श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर उर्फ दानिश जेल में बंद हैं। जेल में बंद हुए तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनसे मिलने कोई नहीं पहुंचा है। श्रद्धा ने जेल प्रशासन को मिलने की इच्छा जताते हुए अपने करीबियों की सूची दी है, जिसमें पिता और अन्य घरवालों के नाम शामिल हैं। वहीं, पुलिस जांच में श्रद्धा को फरार कराने में मदद करने वाले 3 अन्य लोगों की पहचान की गई है, जिनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

बीकेटी में सीमेंट लदी डीसीएम ने बाइक सवार को रौंदा

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 42 साल के दूध कारोबारी अजयवीर सिंह यादव की मौत हो गई। आउटर रिंग रोड पर लालपुर गांव के पास वह अपनी बाइक पर पैर रखकर सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान सीमेंट से लदी एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अजयवीर बाइक समेत करीब 30 मीटर तक घिसटते चले गए और डीसीएम में फंस गए। ग्रामीणों ने डीसीएम पलटकर उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी।

सीएचओ का धरना

लखनऊ । लखनऊ में उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का आलमबाग स्थित इको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना 29वें दिन भी जारी रहा। सीएचओ अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण या कैडर निर्माण, 4800 ग्रेड पे के समकक्ष वेतन, स्थानांतरण नीति लागू करने, कैशलेस इलाज और सामाजिक सुरक्षा की सुविधा शामिल हैं।

लखनऊ-गोंडा हाईवे पर चलती कार बनी आग का गोला

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र में लखनऊ-गोंडा हाईवे पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मलिहामऊ गांव के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार से धुआं निकलता देख चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल वाहन रोक दिया। इसके बाद कार में सवार दंपती ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दंपती सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, सीतापुर जनपद निवासी अभय प्रताप अपनी पत्नी नीतू के साथ कार से बहराइच से लखनऊ जा रहे थे। सोमवार को जब उनकी कार रामनगर थाना क्षेत्र के मलिहामऊ गांव के पास लखनऊ-गोंडा हाईवे पर पहुंची, तभी अचानक कार में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। शुरुआत में कार से धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में धुआं बढ़ने के साथ आग की लपटें दिखाई देने लगीं।

कार में आग लगने का एहसास होते ही चालक ने बिना देर किए वाहन रोक दिया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अभय प्रताप और उनकी पत्नी नीतू तुरंत कार से बाहर निकल आए। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे पर चलती कार में आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई।

श्रद्धालु बनकर आई महिला देवी के गहने लेकर फरार, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

मंदिर में दिनदहाड़े चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के सआदतगंज इलाके में मंदिर के भीतर दिनदहाड़े चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला श्रद्धालु बनकर मंदिर में दाखिल हुई और मौका मिलते ही देवी-देवताओं के आभूषण चोरी कर फरार हो गई। घटना में मां लक्ष्मी की मूर्ति पर लगा चांदी का छत्र और नथुनी के अलावा श्रीनाथ जी का मुकुट गायब होने की जानकारी सामने आई है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध महिला की गतिविधियां कैद होने की बात कही जा रही है। फुटेज के आधार पर पुलिस महिला की पहचान करने में जुटी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि चोरी की वारदात को महिला ने अकेले अंजाम दिया या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था।

पुलिस के मुताबिक, मामले में अभी लिखित तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। दिनदहाड़े मंदिर में हुई इस घटना के बाद श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का माहौल है। अब पुलिस की जांच के बाद ही चोरी की पूरी घटना और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सुबह 8:30 से 9:30 बजे के बीच हुई घटना

जानकारी के मुताबिक, चोरी की घटना सुबह करीब 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच हुई। आरोप है कि महिला मंदिर में सामान्य श्रद्धालु की तरह पहुंची। इसी दौरान उसने मां लक्ष्मी की मूर्ति से चांदी का छत्र और नथुनी उतार ली। इसके साथ ही मंदिर में विराजमान श्रीनाथ जी का मुकुट भी गायब मिला। घटना की जानकारी होने पर मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। मंदिर में देवी-देवताओं के आभूषण गायब मिलने के बाद परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें एक संदिग्ध महिला की गतिविधियां दिखाई देने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

यूपी चुनाव आयोग सीईओ ने वोटर लिस्ट में गलती पर दिया ये जवाब

'शुक्र है राम ने अल्पसंख्यक को नहीं मारा'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी के वोटर लिस्ट में मतदाताओं के नाम में भयंकर गड़बड़ियां हो रही हैं. आयोग का सॉफ्टवेयर अंग्रेजी से हिंदी ट्रांसलेशन करने के चक्कर में वोटरों के नाम का अर्थ का अनर्थ कर दे रही है. अब इन गलतियों पर जब लोगों ने निर्वाचन आयोग को आड़े हाथो लिया तो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी इस पर अपनी अजीबोगरीब सफाई दी है, जो अब वायरल हो रहा है. अब नामों को गलत तरीके से लिखने और आयोग के जातिवादी होने पर मुख्य निर्वाचन आयोग यानी सीईओ उत्तर प्रदेश के एक्स हैंडल से जो सफाई आई है. उसने सोशल मीडिया पर पर लोगों का ध्यान खींचा है. सीईओ का जवाब भी नामों के अनुवाद में हुई गलतियों की तरह ही काफी अजीबोगरीब है.

एक्स पर @ceoup हैंडल से नाम में गलती हुए एक मतदाता पर्ची का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है. इसमें वोटर का नाम रवि शर्मा है और पिता के नाम में लिखा है - 'राम ने शर्मा को मारा'. दरअसल, यह अंग्रेजी में लिखे - Ramhit Sharma का हिंदी ट्रांसलेशन है.

इस सफाई के साथ आरोप लगाने वाले उस वीडियो को भी अटैच किया गया है, जिसमें आयोग पर जातिवादी होने का आरोप लगाया गया था. उसमें भी 'राम ने यादव को मारा' जैसी गलती हुई थी. उसी को लेकर आयोग के जातिवादी होने का आरोप लगाया गया था. यह हिंदी ट्रांसलेशन Ramhit Yadav का था. यूपी की मतदाता सूची में ऐसी ढेरों गलतियां हुई हैं. कहीं Fool kali Devi को 'मूर्ख काली देवी' लिख दिया गया है. जबकि, इसका शुद्ध नाम फूलकली देवी होना चाहिए. इसी तरह Khalid ALI Said को 'खालिद अली ने कहा' बना दिया गया है.

सोशल मीडिया पर वोटरों के नाम में हुई इन गलतियों को लेकर खूब बहस हो रही है. आरोप लगाने वाले लोग भी तरह - तरह के तर्क दे रहे हैं. वहीं आयोग भी इस पर खूब सफाई दे रहा है और जैसा को तैसा वाली तर्ज पर अजीबोगरीब जवाब भी दे रहा है. जैसा कि यहां ऊपर दिए गए पोस्ट में दिखाई दे रहा है।

वायरल हो रहे गलतियों के स्क्रीनशॉट

निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची में वोटर्स के नाम के साथ ऐसी कई गड़बड़ियां हुई हैं. इसमें आयोग के सॉफ्टवेयर ने अंग्रेजी से हिंदी में वोटर्स के नाम का ट्रांसलेशन करने में भयंकर गलतियां कर दी है. इन गलत हुए नाम के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं. इसके साथ ही आयोग भी इन पर इसी तरह से अपनी सफाई भी दे रहा है।

कैसी- कैसी हो रही गड़बड़ियां

अब इस स्क्रीन शॉट के साथ आयोग ने सफाई दी है - हालिया विधान परिषद के चुनाव की मतदाता सूची में एक अजीबोगरीब नाम "राम ने शर्मा को मारा" भी है. कंप्यूटर/सॉफ्टवेयर जातिवादी नहीं है. हमारे द्वारा गलती किया जाना स्वीकार है लेकिन हमारे सौभाग्य से गलती होते समय भी जाति का भेदभाव नहीं हुआ है. भगवान का यह भी शुक्र है की राम ने किसी अल्पसंख्यक को नहीं मारा है. नहीं तो जातिवादी होने के साथ-साथ सांप्रदायिक होने का इल्ज़ाम भी लगता।

68,500 शिक्षक-भर्ती अभ्यर्थियों ने शिक्षा-मंत्री का आवास घेरा

बाहर सुंदरकांड का पाठ किया, नियुक्ति न मिलने पर भड़के

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में सोमवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव कर सुंदरकांड का पाठ किया। उन्होंने सरकार और अधिकारियों की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा हुआ। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों को उठाकर ले जाते दिखे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और अभद्रता करने के आरोप लगाए। पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन करने आए तूफान सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता।

घटना : पीठ पर पटरा मारते रहे, पुलिस पहुंची तब रुके, कई ठेले गिरे

लोहिया संस्थान के बाहर ठेलेवालों ने तीमारदारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में लोहिया संस्थान के बाहर ठेले लगाने वालों ने तीमारदारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। एक तीमारदार बचने के लिए भागने लगा तो उसकी पीठ पर कई लोग पटरा मारते दौड़ाते रहे। इस अफरातफरी में कई ठेले भी गिर गए। पुलिस पहुंची तब ठेलेवालों ने तीमारदारों को पीटना बंद किया।

नारियल पानी बेचने वाले ने ठेलों के नीचे रखे पटरे निकाल लिए थे। एक तीमारदार को खदेड़ते हुए उसकी पीठ पर पटरा मारते रहे। लोहिया संस्थान के गेट पर तीमारदार गिर गया तो उसे करीब 10 से ज्यादा ठेलेवालों ने पटरे से काफी देर तक पीटा। मामला विभूतिखंड थाना क्षेत्र में लोहिया संस्थान के गेट नंबर-8 के सामने दोपहर 3 बजे का है। लोहिया संस्थान में इलाज कराने आए तीमारदार बाहर नारियल पानी खरीदने निकलते हैं। नारियल पानी खरीदते समय ही विवाद हो गया। इसके बाद दो पक्ष बन गए, फिर जमकर मारपीट होने लगी। इस घटना का किसी ने वीडियो रिकॉर्ड किया। इस वीडियो में इतनी जबरदस्त मारपीट हो रही है।

> **आसपास के अन्य दुकानदारों का कहना है जब से नए चौकी प्रभारी आए हैं, तब से पैसा लेकर परमानेंट दुकानों के सामने ठेले लगवाते हैं। उन्हें की सह पर यह ठेले वाले तीमारदारों से बदतमीजी करते हैं और कई बार मारपीट कर चुके हैं।**

करीब 30 मिनट तक चलती रही मारपीट

घटना से लोहिया संस्थान में इलाज कराने आए लोगों को काफी दिक्कत हुई। गेट पर मारपीट होने की वजह से कोई अंदर नहीं जा पा रहा था। मामला करीब आधे घंटे तक का चलता रहा। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने भी दबंग मारते रहे। संस्थान में इलाज कराने आए लोग बाहर खाने पीने के लिए आए थे। ठेला पलटने की वजह से उनका खाना भी गिर गया। मामले में इंस्पेक्टर विभूतिखंड उपेंद्र सिंह का कहना है एक पक्ष दुकानदार है दूसरा पक्ष संस्थान में इलाज कराने आए मरीज के तीमारदार हैं। नारियल पानी को लेकर विवाद हुआ था। इसमें दुकानदार ने तीमारदार पर हमला कर दिया। पीड़ित से तहरीर लेकर वीडियो की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है।

देश की हर कोर्ट में बनेंगे महिला वकीलों के लिए अलग टॉयलेट और बार रूम

तमसा संकेत, एजेंसी

> **सीजेआई ने साफ शब्दों में कहा, 'महिलाओं के लिए बुनियादी ढांचा और सुविधाएं न होने का कोई भी बहाना या औचित्य स्वीकार नहीं किया जा सकता. बार के सभी सदस्यों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्यों और हाई कोर्ट्स की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है.'**

नई दिल्ली। न्याय की चौखट पर जाकर दूसरों को हक दिलाने वाली महिला वकीलों के लिए खुद अदालतों के भीतर बुनियादी सुविधाएं न होना एक गंभीर और कड़वी हकीकत है. इस पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है. भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सभी हाई कोर्ट्स को सख्त आदेश दिया है कि देश की हर एक अदालत में महिलाओं के लिए अलग और सुरक्षित बार रूम और टॉयलेट बनाए जाएं। जिला अदालतों, सब-डिविजनल और तालुका कोर्ट में जहां भी महिला वकील प्रैक्टिस करती हैं, वहां उनके लिए अलग और एक्सक्लूसिव 'वीमेन बार रूम' और वॉशरूम का निर्माण किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे इसके लिए तुरंत आवश्यक फंड और जरूरत पड़ने पर जमीन आवंटित करें ।

सभी हाई कोर्ट्स की बिल्डिंग कमेटियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस काम को पहली प्राथमिकता पर लें और अटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया के कार्यालय को नियमित प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशभर में एक जैसा पैटर्न हो, महिलाओं के लिए बनने वाले टॉयलेट्स और सुविधाओं का डिजाइन व पैटर्न सभी राज्यों और जिलों में एक समान होना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर तय की है, जहां सभी राज्यों को अपनी कम्प्लायंस (अनुपालन) रिपोर्ट पेश करनी होगी. यह आदेश देश की न्याय प्रणाली में काम कर रही हजारों महिला वकीलों के लिए एक बड़ी राहत और उनके सम्मान की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

रायबरेली में कहा- भाजपा को हराने के लिए आजद समाज पार्टी जरूरी है

विपक्ष पीठ में छुरा घोंपता है : चंद्रशेखर

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति और विपक्षी दलों की एकजुटता को लेकर अपनी बात रखी। चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए आजाद समाज पार्टी की भूमिका अहम है।

विपक्ष यदि भाजपा को हराना चाहता है तो उसे आजाद समाज पार्टी को साथ लेना होगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को साथ लिए बिना विपक्ष का यह लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं है। चंद्रशेखर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए आजाद समाज पार्टी को साथ लेना जरूरी है।

रायबरेली में आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद का नेताओं ने स्वागत किया।

संगठन और कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी की ताकत

चंद्रशेखर ने कहा कि आजाद समाज पार्टी संगठन और कार्यकर्ताओं की मजबूती के सहारे यहां तक पहुंची है। किसी भी राजनीतिक दल का असली आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि रायबरेली में पार्टी का संगठन मजबूत है और कार्यकर्ता जनता की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने संगठन की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण से तय होती है। रायबरेली में पार्टी संगठन के माध्यम से जनता के मुद्दों को उठाने की बात भी उन्होंने कही।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर कसा तंज

स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से 'इंडी' गठबंधन पर भरोसा जताए जाने के सवाल पर चंद्रशेखर ने तंज कसा। उन्होंने कहा, मैं ऐसे बयानों और नेताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। हालांकि, उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से कुछ कहने के बजाय अपनी बात संक्षेप में रखी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयानों से जुड़े सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है।

पोस्टर वार पर भाजपा को घेरा

चंद्रशेखर आजाद ने रायबरेली सांसद राहुल गांधी के बरी होने को लेकर कहा कि कोर्ट का फैसला है।हम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। चंद्रशेखर आजाद ने रायबरेली और सुल्तानपुर समेत विभिन्न जिलों में लगे होर्डिंग्स और 200 सीटें जीतने के दावों पर कहा कि यदि भाजपा इस तरह के हथकंडे अपना रही है तो इस पर नजर रखनी चाहिए और सावधानी बरतनी चाहिए। 2027 के चुनावों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने संकेत दिया कि एमएलसी चुनाव से ही सरकार के प्रभाव और जमीनी हकीकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। हमारी पार्टी के जुझारू कार्यकर्ता और माता-बहनों का आशीर्वाद आजाद समाज पार्टी के साथ है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा- विपक्षी गठबंधन कई बार पीठ पर छुरा घोंपने का काम करता है। इसके बावजूद हमारी पार्टी का संघर्ष और जमीनी कार्यकर्ता पूरी मजबूती से डटे हुए हैं।

गोंडा से स्केटिंग करते हुए देवा जा रहा युवक

हाथ में तिरंगा लिए हाजी वारिस अली शाह की दरगाह पर चढ़ाएगा चादर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। गोंडा से बाराबंकी स्थित देवा शरीफ तक स्केटिंग करते हुए जा रहा एक युवक इन दिनों लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। युवक अपने इस अनोखे सफर के दौरान हाथ में तिरंगा लेकर चल रहा है और लोगों को आपसी भाईचारे, प्रेम तथा अमन-चैन का संदेश दे रहा है। वह देवा शरीफ पहुंचकर हाजी वारिस अली शाह की दरगाह पर चादर चढ़ाना चाहता है। इसके साथ ही उसकी देवा मेले को देखने की भी इच्छा है। आमतौर पर लोग देवा शरीफ पहुंचने के लिए बस, ट्रेन या अन्य वाहनों का सहारा लेते हैं, लेकिन युवक ने अपनी यात्रा के लिए स्केटिंग का अनोखा तरीका चुना है। गोंडा से देवा शरीफ के लिए निकला युवक रास्ते में स्केटिंग करते हुए आगे बढ़ रहा है। उसके हाथ में तिरंगा भी है, जो

उसकी यात्रा को खास बना रहा है। सड़क से गुजरते समय राहगीर उसे देखकर रुक रहे हैं और उसकी पहल की सराहना कर रहे हैं। युवक का उद्देश्य देवा शरीफ पहुंचकर हाजी वारिस अली शाह की दरगाह पर चादर चढ़ाना और ऐतिहासिक देवा मेला देखना है। देवा शरीफ की पहचान देशभर में धार्मिक आस्था और सांप्रदायिक सौहार्द के केंद्र के रूप में है। यहां हर साल लगने वाले मेले में विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग शामिल होते हैं। ऐसे में युवक की यह यात्रा भी लोगों का ध्यान खींच रही है।

फास्ट न्यूज

14 साल बाद 89 भूखंडों की ई-नीलामी होगी

उन्नाव। उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण (यूएसडीए) 14 साल बाद 89 खाली भूखंडों की ई-नीलामी करेगा। इनमें 85 व्यावसायिक, तीन शैक्षिक और एक आवासीय भूखंड शामिल हैं। इनकी आधार कीमत 62 करोड़ रुपये है, जिससे प्राधिकरण को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा आय की उम्मीद है। मनोज सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी। डीएम घनश्याम मीणा के निर्देश पर मोतीनगर, पीडी नगर और निराला नगर प्रथम फेज की संपत्तियां नीलामी में हैं।

रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत

हरदोई(हरदोई के लोनार थाना इलाके में एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला की जान चली गई। रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत हुई, जबकि उनके पति जख्मी हो गए। पुलिस ने अज्ञात बस ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फर्रुखाबाद के राजेपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर वीरपुर गांव के राकेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर 2026 को वह अपनी पत्नी अनीता के साथ अपनी स्पलेंडर मोटरसाइकिल से हरदोई जा रहे थे।

नेपाली श्रमिक की ट्रेन से कटकर मौत

उन्नाव। उन्नाव में ट्रेन की चपेट में आने से नेपाली श्रमिक विष्णु तेली (35) की मौत हो गई। वह दीपावली पर गुजरात से नेपाल के बांके जिले स्थित अपने घर लौट रहा था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजन उन्नाव पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और घटना की जांच कराने की मांग की। विष्णु गुजरात की एक फैक्ट्री में काम करके परिवार का खर्च चलाता था।

धान के खेत में निकला छह फीट लंबा अजगर, मजदूरों में मचा हड़कंप

वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ने के लिए ले गई

तमसा संकेत, एजेंसी

ऊंचाहार। रायबरेली के ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के मनीरामपुर गांव में सोमवार को धान के खेत में करीब छह फीट लंबा अजगर निकलने से हड़कंप मच गया। खेत में धान की कटाई कर रहे मजदूरों की नजर अचानक अजगर पर पड़ी तो वे घबरा गए और खेत से बाहर भाग निकले। खेत में इतने बड़े सांप की मौजूदगी की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। हालांकि, समय रहते वन विभाग को सूचना दिए जाने से कोई अनहोनी नहीं हुई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को मनीरामपुर गांव में मजदूर धान के खेत में कटाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर खेत में

मौजूद करीब छह फीट लंबे अजगर पर पड़ी। अचानक इतने बड़े सांप को सामने देखकर मजदूर डर गए। उन्होंने काम रोक दिया और तत्काल खेत से बाहर निकल आए। कुछ ही देर में अजगर निकलने की खबर गांव में फैल गई। इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। खेत में अजगर होने से लोग सतर्क हो गए और उसके पास जाने से बचते रहे। ग्रामीणों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए डायल 112 और वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानी बरतते हुए अजगर को पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। काफी सतर्कता के साथ अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया गया। वन दरोगा रजनीश कुमार के अनुसार, रेस्क्यू किया गया अजगर स्वस्थ है।

वन विभाग की टीम उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ने के लिए अपने साथ ले गई। अजगर के सुरक्षित पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। धान की कटाई के दौरान खेत में अजगर निकलने की इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। हालांकि, ग्रामीणों की सूझबूझ और वन विभाग की तत्परता से स्थिति को संभाल लिया गया और किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।

रायबरेली में लोहे के जाल में साड़ी से लटका मिला शव, पत्नी के विवाद चल रहा था

पंचायत मित्र का शव घर में फंदे पर लटका मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। सरेनी थाना क्षेत्र के भीटा गांव में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे पंचायत मित्र विवेक कुमार बाजपेई (40) का शव उनके बंद घर के अंदर फंदे से लटका मिला। वह घर में अकेले रहते थे। सुबह धान की कटाई के लिए कंबाइन मशीन के ऑपरेटर ने उन्हें फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद ऑपरेटर उनके घर पहुंचा और आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं मिलने पर अंदर झांककर देखा तो आंगन में लोहे के जाल से साड़ी के सहारे विवेक का शव लटका दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना

की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। बताया गया कि विवेक के माता-पिता के पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर घर का दरवाजा खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, विवेक ने सोमवार सुबह धान की कटाई के लिए कंबाइन मशीन के ऑपरेटर को बुलाया था। तय समय पर ऑपरेटर ने उनके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन कई बार प्रयास के बावजूद कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद वह विवेक के घर पहुंच गया। वहां दरवाजा बंद मिलने पर उसने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

पत्नी से चल रहा था पारिवारिक विवाद

ग्रामीणों के मुताबिक, विवेक और उनकी पत्नी प्रज्ञा के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। उनकी पत्नी अपने सात वर्षीय बेटे ध्रुव के साथ करीब डेढ़ महीने से मायके में रह रही थी। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच का विवाद थाने तक भी पहुंचा था। हालांकि, पारिवारिक विवाद और विवेक की मौत के बीच कोई संबंध है या नहीं, इस बारे में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस ने विवेक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शुक्लागंज के पोनी रोड पर अतिक्रमण हटाए

व्यापारियों ने विरोध कर कारोबार चौपट होने की आशंका जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में पोनी रोड पर सोमवार को पीडब्ल्यूडी ने अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे कच्चे-पक्के निर्माणों को जेसीबी से गिराया गया। व्यापारियों ने इस कार्रवाई का विरोध किया। उनका कहना था कि दीपावली से पहले तोड़फोड़ से कारोबार ठप हो जाएगा। त्योहार पर बिक्री बढ़ने की उम्मीद थी, पर अब आर्थिक संकट का डर है। पीडब्ल्यूडी पोनी रोड पर एक महीने से चौड़ीकरण का काम कर रहा है। रविवार को भी 200 से ज्यादा कच्चे-पक्के कब्जे हटाए गए थे। सोमवार को अभियान जारी रहने से व्यापारियों में गुस्सा है। कुछ व्यापारियों ने काम की क्वालिटी और मानकों पर सवाल उठाए। कार्रवाई के दौरान एजेंसी के

कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के बीच कई बार बहस भी हुई। कुछ दिन पहले झंडा चौराहे पर एक मकान की छत जबरन गिराने की शिकायत डीएम से हुई थी, जिसकी जांच चल रही है। ऑल इंडिया उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रस्तोगी ने कहा कि पोनी रोड पर कराए जा रहे कार्य को लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। दीपावली से पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से व्यापारियों को लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका है।

मुंह से झाग निकलने के कारण जताई जा रही थीं कई आशंकाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज हेतमापुर मार्ग क्योंटली गांव घर के सामने सड़क किनारे मिले 55 वर्षीय महिला के शव के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो गया है। मृतका की पहचान क्योंटली गांव निवासी सीता देवी पत्नी स्वर्गीय तरुण कुमार तिवारी के रूप में हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत (हार्ट अटैक) के कारण हुई। महिला का शव मिलने के बाद से ही गांव और आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही थीं। खासकर मुंह से झाग निकलने की बात सामने आने के बाद लोगों के बीच उनकी मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मौत के कारण को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह ग्रामीणों ने सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर क्योंटली गांव के पास महिला के घर के सामने सड़क किनारे शव पड़ा देखा। सुबह-सुबह शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने महिला की पहचान गांव निवासी सीता देवी के रूप में की। बताया गया कि शव के मुंह से झाग निकल रहा था। इस स्थिति को देखकर ग्रामीणों के बीच महिला की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। घटना की सूचना मिलने के बाद मोहम्मदपुर खाला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई और आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर परिजनों और ग्रामीणों के साथ-साथ पुलिस की निगाहें भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी थीं। महिला का शव घर के सामने सड़क किनारे मिलने और मुंह से झाग निकलने की जानकारी सामने आने के बाद घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था। लोग अपने-अपने स्तर पर मौत के कारणों को लेकर कयास लगा रहे थे। हालांकि, बिना चिकित्सकीय जांच के मौत के वास्तविक कारण का पता लगाना संभव नहीं था। ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट को महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मायोकार्डियल इन्फार्क्शन यानी हृदयाघात को मौत का कारण बताए जाने के बाद मामले में अहम जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि महिला की जान हार्ट अटैक के कारण गई।

खुदाई से नाराज युवक ने कर्मचारियों को पीटा

साथियों के साथ जलकल कर्मचारी को घेरकर मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में जलकल विभाग के काम के दौरान विवाद हो गया। कंचन नगर मोड़ पर घर के बाहर खुदाई से नाराज एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर जलकल कर्मचारियों की पिटाई कर दी। आरोप है कि युवक ने नशे की हालत में कर्मचारियों पर लाठी-घूंसों से हमला किया। मारपीट में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अन्य कर्मचारी को भी दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। घटना का वीडियो सोमवार दोपहर सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मारपीट सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हुई है। गंगाघाट कोतवाली के

इंस्पेक्टर अजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना का वीडियो सोमवार दोपहर सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मारपीट सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हुई है। गंगाघाट कोतवाली के इंस्पेक्टर अजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मौत : 3 दिन बाद बिहार से पहुंचे परिजन, 6 महीने पहले हुई थी शादी

ट्रेन में बिगड़ी लकड़ी व्यापारी की तबीयत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जम्मू से ट्रेन में सवार होकर बिहार स्थित अपने घर लौट रहे 29 वर्षीय लकड़ी व्यापारी की अमरनाथ एक्सप्रेस में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे परिजनों के हरदोई मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। युवक की शादी महज छह महीने पहले हुई थी। पति की असमय मौत की खबर सुनते ही नवविवाहिता पत्नी बदहवास हो गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया क्षेत्र के रामनगर थाना

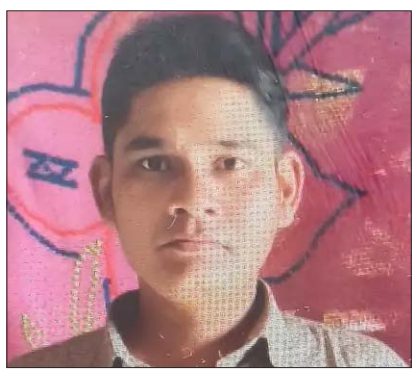

अंतर्गत मंगुरहा गांव निवासी शैलेंद्र शर्मा (29) पुत्र नवल शर्मा के रूप में हुई है। शैलेंद्र जम्मू में रहकर लकड़ी का कारोबार करते थे। काम के सिलसिले में वह जम्मू में ही रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक, पिछले करीब 15 दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। उन्होंने स्थानीय स्तर पर दवा लेकर उपचार भी कराया, लेकिन स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। मृतक के बहनोई कृष्णा शर्मा ने बताया कि शैलेंद्र बीते 15 दिनों से बीमार चल रहे थे। जम्मू में दवा लेने के बावजूद जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्होंने घर लौटने का फैसला किया। वह शनिवार, 24 अक्टूबर की तड़के जम्मू से अमरनाथ एक्सप्रेस में सवार होकर बिहार के लिए रवाना हुए थे। उन्हें उम्मीद थी कि घर पहुंचकर परिवार के बीच रहकर स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से उबर सकेंगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। ट्रेन में तबीयत बिगड़ने के बाद शैलेंद्र की मौत की सूचना मिलने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मामले में शव हरदोई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। घटना के तीसरे दिन सोमवार दोपहर करीब 12 बजे परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कराई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया की गई।

जेब में मिले पहचान पत्र से हुई शिनाख्त

शुरुआत में पहचान न होने के कारण पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया था। इसके बाद तलाशी में जेब से मिले पहचान पत्र के जरिए पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर हादसे की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर सोमवार दोपहर परिजन हरदोई पहुंचे और शव की पहचान की। शैलेंद्र की शादी इसी साल 20 मार्च को राबड़ी देवी से हुई थी। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई है।

यात्रा के दौरान दोपहर करीब 4:00 बजे ट्रेन के हरदोई के पास पहुंचते ही शैलेंद्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सहयात्रियों ने तत्काल रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर जीआरपी और आरपीएफ को मामले की जानकारी दी। ट्रेन के हरदोई स्टेशन पहुंचते ही आरपीएफ जवानों ने आनन-फानन में उन्हें उतारकर मेडिकल कॉलेज हरदोई में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

92 पोलिंग बूथ कम हुए

डीएम ने राजनीतिक दलों को जानकारी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले में मतदाता सूची और मतदान केंद्रों के पुनर्गठन के बाद 92 पोलिंग बूथ कम हो गए हैं। अब इनकी कुल संख्या 2648 है। वहीं, पोलिंग सेंटर बढ़कर 1684 हो गए हैं। इस दौरान 17,950 नए मतदाता भी जुड़े हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसमें बूथों के पुनर्गठन पर चर्चा हुई और मिले सुझावों पर विचार किया गया। इसके बाद सभी की सहमति से पुनर्गठन को अंतिम रूप दिया गया। यह सूची अब निर्वाचन आयोग को भेजी जा रही है, जहां से इसका अंतिम प्रकाशन होगा। 17 और 24 अक्टूबर को चले विशेष अभियान में 17,950 नए मतदाता जोड़े गए, जिनमें खासकर 18 साल के युवा शामिल हैं। पुनर्गठन का मकसद मतदान व्यवस्था को बेहतर

बनाना और मतदाताओं को सुविधा देना है। आगामी अभियानों में भी नए मतदाताओं को जोड़ने का काम जारी रहेगा। दीपावली की छुट्टियों में बाहर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के घर लौटने पर उनसे भी मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की जाएगी। प्रशासन को उम्मीद है कि इससे नए मतदाताओं का पंजीकरण बढ़ेगा और आगामी चुनावों में मतदाता सूची अधिक व्यापक एवं अद्यतन हो सकेगी।

सम्पादकीय

कांग्रेस की बिगड़ी भाषा

पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब वोट चोरी का रोना रो रहे थे और कथित वोट चोरों को जेल भेजने की बात कर रहे थे, तब भीड़ से यह आवाज आने पर कि 'मोदी कहीं नहीं जाएगा', वे इतना तैश में आ गए कि यहां तक कह गए कि 'मोदी तो क्या, मोदी का बाप भी जाएगा।' उन्होंने इसे दोहराया भी। इससे न केवल उनकी बौखलाहट का पता चलता है, बल्कि यह भी कि उनके जैसा बुजुर्ग नेता प्रधानमंत्री के लिए ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं करता। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं और राहुल गांधी ने तो भाषा के मामले में सारी हदें ही पार कर रखी हैं। वे प्रधानमंत्री के लिए हद दर्जे की अशिष्ट भाषा का इस्तेमाल करते हैं और यहां तक कि उनके लिए 'डरता है', 'भाग जाएगा' जैसी बातें भी बोल चुके हैं।

राहुल गांधी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी जमकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि कांग्रेस के छोटे-बड़े नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी प्रधानमंत्री के संदर्भ में बात करते हुए भाषा का कोई लिहाज नहीं रखते। बहुत पुरानी बात नहीं कि बिहार में ही कांग्रेस की एक रैली में प्रधानमंत्री को खुलेआम गालियां दी गई थीं और कांग्रेस जनों ने उसकी निंदा करने के स्थान पर लीपापोती ही अधिक की थी। यह भी एक विडंबना रही कि खरगे की रैली में कांग्रेसियों ने जिसे मोदी हितैषी समझ कर पीट दिया, वह कांग्रेस समर्थक है और वस्तुतः यह कह रहा था कि बिना बगावत मोदी कहीं नहीं जाएगा। स्पष्ट है कि यह खतरनाक सोच भी कांग्रेस और साथ ही उसके उन करीबियों की देन है, जो रिजीम चेंज यानी तख्तापलट की बातें कर रहे हैं और लोगों को गुमराह करके भड़काने में लगे हुए हैं। वैसे तो नेताओं की भाषा का स्तर एक लंबे समय से गिरता चला आ रहा है और इसमें कुछ कम या ज्यादा, सभी दलों के नेताओं का योगदान है, लेकिन राजनीतिक भाषा के स्तर को गिराने में यदि कोई सबसे अधिक आगे है तो वे हैं राहुल गांधी और उनके करीबी। जब बड़े नेता अमर्यादित बयान देते हैं और अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति घृणाभाव दिखाते हैं तो उसका असर पूरी पार्टी पर पड़ता है। पिछले कुछ समय से ऐसा ही हो रहा है। राहुल गांधी और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं में तो प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने की होड़ सी लगी हुई है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ माह पहले दिल्ली में जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के समर्थकों ने जब प्रधानमंत्री और उनकी मां को कैमरों के सामने भद्दी गालियां दी थीं, तब विपक्ष के अनेक नेताओं ने इन गालीबाज तत्वों का बचाव ही किया था।

> 66
> **प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती।**

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, "मोदी का बाप भी जाएगा।" इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का

विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

- ललित गर्ग

दंगा, इफ्तार और बिरयानी, सपा राज की असल कहानी

कहते हैं कि भेड़िया कितना भी शेर की खाल ओढ़ ले लेकिन वह भेड़िया ही रहता है। कुछ इसी तरह का हाल इन दिनों समाजवादी पार्टी का है। हर रोज पीडीए का नारा जपने के बाद अखिलेश यादव अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए नतमस्तक हैं। आजम खां को वोटों की खातिर सहेजने के लिए वह सीतापुर जेल में मुलाकात करने के बाद रामपुर में उनके घर पर भी हाजिरी लगा कर आ गये। आजम खां की भाषण शैली कितनी भी अच्छी क्यों न हो लेकिन आज भी लोग उनका कार्यकाल नहीं भूले हैं। हम लोगों को अच्छी तरह याद है कि आजम खां किस तरह का व्यवहार अपने अधिकारियों और मातहतों के साथ करते थे । आजम का व्यवहार शायद ही किसी को पसंद आता हो । न उनका व्यवहार अच्छा था और न ही उनका बोलने का तरीका। उन्होंने अधिकारियों को तनखईया बताया तो जयाप्रदा के अंतर्वस्त्रों का रंग बताने का करतब भी मंच से कर डाला। अब उन्हीं आजम के पैरों में गिरकर सपा अध्यक्ष पता नहीं किस समाज का वोट सहेजने की कोशिश कर रहे हैं। भले ही आजम के भी कई छोटे मुकदमे दर्ज कर दिये गये हों, उन पर ज्यादती लोगों को महसूस हो रही हो लेकिन आजम इतने सरल नहीं थे । उनकी भ्रष्टाचार की कहानी आपको रामपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में पसरी मिल जायेंगे लेकिन सपा अभी भी उनका मोह नहीं छोड़ पा रही है। शायद इसीलिए समाजवादी पार्टी से आम हिंदू जो सामान्य वर्ग का है, वह अपने को जोड़कर सहज नहीं महसूस करता है। इन दिनों उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में अखिलेश यादव के खिलाफ माफिया और दंगों के आरोपों वाले पोस्टर सामने आए हैं। वहीं, 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले मुस्लिम वोट बैंक साधने के लिए अखिलेश ने रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात की। यह मुलाकात सपा के पीडीए फॉर्मूले और सियासी समीकरणों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव को निशाना बनाने वाले पोस्टर सामने आए हैं। इन जिलों में लखनऊ, बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, बस्ती, हरदोई और सीतापुर शामिल हैं। अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और आजम खान की तस्वीरों वाले इन पोस्टरों पर लिखा है - क्या आप सपा पर भरोसा कर सकते हैं? सभी माफिया भाई-भाई हैं।

राजेश श्रीवास्तव

भाषा की यह गिरावट...

अशोक भाटिया

आत्मघाती कड़वाहट: हताशा में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा भूली कांग्रेस

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास वैचारिक असहमतियों, तीखे तर्कों और धारदार बहसों से समृद्ध रहा है। संसद से लेकर सड़क तक, देश ने दक्षिणपंथ से लेकर वामपंथ और क्षेत्रीय अस्मिताओं के बीच बड़े-बड़े वैचारिक द्वंद्व देखे हैं। लेकिन, अतीत में इन सभी बहसों की एक अंतर्निहित मर्यादा होती थी। राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे की नीतियों पर प्रहार करते थे, चरित्र और मर्यादाओं पर नहीं। दुर्भाग्य से, समकालीन राजनीति ने संवाद की उस समृद्ध परंपरा को हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई एक बेहद विवादित टिप्पणी (रमोदी का बाप भी जाएगाश) और उसके बाद आज पूरे देश में मचा सियासी बवाल इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। पटना के एक कार्यक्रम में सामने आए इस बयान ने न केवल एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बल्कि यह सवाल भी नए सिरे से उठा दिया है कि क्या देश का राजनीतिक नेतृत्व जन-सरोकारों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा की मर्यादा की बलि चढ़ाने पर आमादा है? घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। पटना की सभा में जब भीड़ से किसी ने नारा लगाया या कुछ कहा, तो उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष का आपा खोना और प्रधानमंत्री के उस दिवंगत पिता तक पहुंच जाना, जो कभी राजनीति का हिस्सा ही नहीं रहे, किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। आज इसी का नतीजा है कि भारतीय जनता पार्टी देश भर के सभी राज्य मुख्यालयों में इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है, पटना की अदालतों में शिकायतें दर्ज हो रही हैं और संसद से लेकर सड़कों तक का माहौल एक बार फिर वैचारिक विमर्श के बजाय व्यक्तिगत प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है।

इस पूरे विवाद में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें और रणनीतियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इसे लोकतंत्र की न्यूनतम मर्यादाओं को तार-तार करने वाला कृत्य करार दिया है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि जब विपक्ष नीतियों के मोर्चे पर सरकार को घेरने में नाकाम रहता है, तो वह व्यक्तिगत कुंठा और हताशा में इस तरह के आक्षेपों पर उतर आता है। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से सफाई पेश की जा रही है कि इस बयान को संदर्भ से काटकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का इरादा किसी के स्वर्गीय पिता का व्यक्तिगत अपमान करना नहीं था, बल्कि वे एक वैचारिक संदर्भ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या सरकार की नीतियां) में अपनी तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दे रहे थे। लेकिन क्या राजनीति में 'संदर्भ' की आड़ लेकर व्यक्तिगत गरिमा पर चोट करने की छूट दी जा सकती है? यह एक ऐसा बुनियादी सवाल है, जिससे कोई भी दल बच नहीं सकता।

इस मुद्दे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक और राष्ट्रीय विस्तार है। मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दक्षिण भारत (कर्नाटक) के एक बेहद वरिष्ठ और जमीनी नेता हैं, जिन्होंने दशकों तक संसदीय राजनीति को करीब से देखा है। वहीं, यह घटना उत्तर भारत के राजनीतिक रूप से सबसे जागरूक राज्य बिहार (पटना) में घटित हुई। ऐसे में यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि यह उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरे देश के जागरूक मतदाताओं को प्रभावित करता है। दक्षिण भारत की राजनीति आमतौर पर नीति-गत मुद्दों, कल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय गौरव पर केंद्रित मानी जाती रही है, जबकि उत्तर भारत की राजनीति में भाषा और प्रतीकों का बहुत बड़ा महत्व होता है। जब दक्षिण से आने वाला एक शीर्ष नेता उत्तर भारत की धरती पर खड़े होकर देश के प्रधानमंत्री के परिवार पर ऐसी टिप्पणी करता है, तो इसका राजनीतिक और सामाजिक असर बहुत व्यापक हो जाता है। यह पूरे देश के पाठकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी राजनीति का भाषाई स्तर वाकई रसातल की ओर जा रहा है?

भाषा की यह गिरावट किसी एक दल या एक नेता तक सीमित नहीं है। अगर हम निष्पक्ष होकर देखें तो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति के शब्दकोश में 'राक्षस', 'दीमक', 'गद्दार', 'खून का दलाल' और न जाने कितने ही अमर्यादित शब्द शामिल हो चुके हैं। एक दल जब मर्यादा लांघता है, तो दूसरा दल उससे दो कदम आगे बढ़कर जवाब देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिसमें जीत किसी की नहीं हो रही, बल्कि पराजय सिर्फ और सिर्फ भारतीय लोकतंत्र की हो रही है।

केंद्र एवं राज्य...

डॉ0 सीमा गुप्ता

पीएम पोषण योजना: पौष्टिक आहार,आधुनिक व्यवस्था और शीतकालीन नवाचार से संवरता नौनिहालों का भविष्य

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण' (पीएम पोषण) योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, उच्च पोषण मानकों और उन्नत तकनीकी दक्षता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता, नियमित विद्यालयी उपस्थिति और संज्ञानात्मक सीखने की क्षमता को सशक्त आधार प्रदान करते हुए प्रदेश भर के परिषदीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रत्येक शैक्षणिक दिवस पर ताजा, स्वच्छ और निर्धारित पोषण मानकों से युक्त गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए कैलोरी और प्रोटीन युक्त संतुलित आहार अनिवार्य किया गया है। बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं के प्रभावी निवारण के लिए विद्यालयों में आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 से समृद्ध फोर्टिफाइड चावल का वितरण सुनिश्चित किया गया है। दालों, हरी पत्तेदार सब्जियों और दूध के नियमित समावेश से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को नई गति मिल रही है। योजना के अंतर्गत साप्ताहिक आहार चक्र को सुरुचिपूर्ण और पोषण-संवर्धित रूप दिया गया है। इसके तहत विद्यार्थियों को मौसमी सब्जियों अथवा सोयाबीन युक्त आहार के साथ ताजे फल, दाल-चावल, मौसमी सब्जियों से समृद्ध गर्म तहरी, उबला हुआ दूध और ताजी रोटियां वितरित की जाती हैं। इसके साथ ही मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भोजन में बाजरे व मूंग की दाल से युक्त पौष्टिक खिचड़ी को भी शामिल किया गया है। स्थानीय स्तर पर पोषण की सुलभता बढ़ाने के लिए विद्यालयों में पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं, जिससे भोजन निर्माण में जैविक और ताजी सब्जियों का उपयोग हो रहा है। शीतकाल के दौरान बच्चों के शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखने और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जनपद अलीगढ़ में विशेष शीतकालीन पूरक आहार व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। अलीगढ़ के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा कंपोजिट विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कड़ाके की ठंड में नियमित मध्याह्न भोजन के साथ गरमा-गरम और ऊर्जादायक पूरक आहार दिया जा रहा है। शीतकालीन अवधि के दौरान निर्धारित चक्र के अनुसार विद्यार्थियों को माह के निश्चित सप्ताहों में पौष्टिक मीठा सूजी का हलवा तथा अन्य सप्ताहों में मौसमी सब्जियों से भरपूर नमकीन उपमा परोसा जाता है, जिसके लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान कर गुणवत्ता और स्वाद को बनाए रखा गया है। खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को बनाए रखने के लिए भोजन वितरण से पूर्व दोहरी परीक्षण व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत शिक्षक और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की पुष्टि करते हैं।

जरा हटके

इन क्षेत्रों से जुड़ी ...

केवल राम

प्रदेश में महिला उद्यमियों एवं निवेशकों को पर्यटन से जोड़कर पर्यटन स्थलों एवं संस्कृति का होगा विस्तार

उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों को अब सिर्फ घूमने की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि वहां की कला, खानपान, परंपरा और स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़कर देश-दुनिया तक पहुंचाने की तैयारी है। इसी दिशा में पर्यटन विभाग करीब 50 महिला उद्यमियों, निवेशकों और डिजिटल क्रिएटर्स को लखनऊ से वाराणसी और सारनाथ की तीन दिवसीय यात्रा पर भ्रमण कराया जा रहा है। ''विजिट माय स्टेट अभियान'' के तहत इस यात्रा में महिलाएं काशी की संस्कृति, बनारसी बुनकरी, खानपान, धार्मिक विरासत और बौद्ध इतिहास को करीब से समझेंगी। पर्यटन विभाग ने फिक्की फ्लो के सहयोग से इस यात्रा को तैयार किया है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को यूपी के पर्यटन से जोड़ना है, जो फैशन, डिजाइन, आतिथ्य, यात्रा, शिक्षा, वेलनेस और डिजिटल संचार जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

इन क्षेत्रों से जुड़ी महिला उद्यमियों और डिजिटल क्रिएटर्स के जरिए प्रदेश के पर्यटन स्थलों की पहुंच नए दर्शकों और ग्राहकों तक बढ़ायेगी। इसके साथ ही पर्यटन को स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, नाविकों, खानपान से जुड़े कारोबारियों, गाइड और युवाओं की आजीविका से जोड़ने के नए अवसर भी तैयार होंगे। लखनऊ से शुरू होकर वापस लखनऊ में समाप्त होने वाली यह यात्रा प्रतिभागियों को वाराणसी के घाटों, मंदिरों, खानपान और हथकरघा समूहों से रूबरू कराएगी। यात्रा में काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा आरती, सूर्योदय के समय नौका भ्रमण, रामनगर किला और स्थानीय व्यंजनों का अनुभव शामिल है। इसके साथ ही प्रतिभागी यह समझेंगे कि गंगा, आध्यात्मिकता, खानपान और बनारसी बुनकरी किस तरह मिलकर काशी की जीवंत विरासत तैयार करते हैं।

इस यात्रा के जरिए पर्यटकों को केवल किसी एक स्मारक तक सीमित रखने के बजाय शहर की परंपराओं और लोगों से जुड़कर अधिक समय बिताने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। लखनऊ को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी की पहचान मिलने से उत्तर प्रदेश के खानपान को वैश्विक मंच मिला है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी में महिला उद्यमियों को स्थानीय भोजन, आध्यात्मिक परंपराओं, गंगा और बुनकरी की दुनिया से जोड़ा जाएगा। इस यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा बनारसी साड़ी और हथकरघा परंपरा को समझना भी है। प्रतिभागी बुनकरों, हथकरघा उद्यमियों और व्यापारियों से मिलकर डिजाइन, रंगाई, बुनाई, जरी के काम, फिनिशिंग से लेकर तैयार साड़ी की बिक्री तक पूरी प्रक्रिया को करीब से जानकारी दी जायेगी। यात्रा में बनारसी साड़ी को आधुनिक पहनावे से जोड़ने पर भी चर्चा होगी। साड़ी बैक इन फैशन पहल के तहत फैशन, डिजाइन, टिकाऊपन और रिटेल क्षेत्र से जुड़ी महिला प्रतिभागी साड़ी की नई स्टाइलिंग, लुकबुक, बाजार से संपर्क और डिजिटल कहानियों पर काम करेंगी। इसका मकसद पारंपरिक बनारसी साड़ी को रोजमर्रा, कॉरपोरेट और औपचारिक पहनावे में नए तरीके से प्रस्तुत करना है। इससे बुनकरों और हथकरघा कारोबार से जुड़े लोगों को नए बाजार और ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पर्यटन ऐसे अनुभव विकसित कर रहा है, जिनसे यात्री हर गंतव्य की पहचान बनाने वाले लोगों और परंपराओं से जुड़ सकें। ''विजिट माय स्टेट अभियान'' के जरिए पर्यटन से बनने वाली पहचान को लंबे समय तक ठहरने वाले पर्यटकों, मजबूत बाजार और स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार व कारोबार के अवसरों में बदलने का प्रयास है। इसका लाभ बुनकरों, कारीगरों, गाइड, नाविकों, खानपान से जुड़े कारोबारियों और युवा पर्यटन पेशेवरों को विशेष रूप से होगा।

किसी पर्यटन स्थल का प्रत्यक्ष अनुभव उसके बारे में अधिक विश्वसनीय और प्रभावी तरीके से बताने में मदद करता है। यात्रा में खानपान, हस्तशिल्प, आध्यात्मिक विरासत और बौद्ध पर्यटन को जोड़कर यात्रियों को गहराई से प्रदेश को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही इससे पर्यटन अर्थव्यवस्था में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी बढ़ेगी। महिला उद्यमियों और बाजार से जुड़े लोगों की बुनकर समुदाय से सीधी बातचीत को इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस महिला यात्रा का अंतिम पड़ाव सारनाथ होगा, जहां प्रतिभागी धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, मूलगंध कुटी विहार और पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण करेंगी। जुलाई 2026 में सारनाथ को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किए जाने के बाद इसकी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पहचान और मजबूत हुई है। यात्रा के बाद प्रतिभागी यूपी की इन पर्यटन कहानियों को अपने कारोबारी नेटवर्क, ग्राहकों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया समुदायों तक पहुंचाएंगी। इससे प्रदेश के कारीगरों और पर्यटन से जुड़े हितधारकों के साथ नए कारोबारी और सहयोग के संबंध विकसित होंगे।

आगरा में 3 बूथ कैप्चरिंग की शिकायत पर दोबारा वोटिंग हुई, कल रिजल्ट आएगा

शिक्षक एमएलसी चुनाव में सपा-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा खंड शिक्षक MLC चुनाव के तीन बूथों पर सोमवार को दोबारा मतदान कराया गया। दोपहर करीब 2 बजे खेरागढ़ में भाजपा और सपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए, जिससे तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाला। फतेहाबाद, सैंया और खेरागढ़ के एक-एक बूथ पर कुल 2,346 मतदाताओं को वोट डालना था। शाम 4 बजे तीनों बूथों पर मतदान खत्म हो गया। 23 अक्टूबर को हुए मतदान के दौरान

सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने बूथ कैप्चरिंग और मतपत्रों से छेड़छाड़ की शिकायत की थी। उनकी शिकायत और अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग ने 3 बूथों पर दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया। मतदान खत्म होने के बाद पोलिंग पार्टियां मतपेटियां लेकर फिरोजाबाद रोड स्थित मंडी समिति पहुंचीं।

66 सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल ने कहा कि आगरा के तीन बूथों पर दोबारा मतदान होना उनकी शिकायतों की पुष्टि करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि औरैया जिले के तीन बूथों पर भी बड़े पैमाने पर बूथ कैप्चरिंग हुई, लेकिन वहां पुनर्मतदान नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को सीसीटीवी फुटेज देखकर कार्रवाई करनी चाहिए, न कि उनसे साक्ष्य मांगने चाहिए।

3 बूथों पर पुनर्मतदान खत्म, मतपेटियां स्ट्रॉन्ग रूम में होंगी जमा

स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव के 3 बूथों पर शाम 4 बजे पुनर्मतदान संपन्न हो गया। सुबह 8 बजे शुरू हुई वोटिंग के बाद पोलिंग पार्टियां मतपेटियां लेकर फिरोजाबाद रोड स्थित मंडी समिति के लिए रवाना हो गईं। मंडी समिति में मतपेटियों को स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा। मंगलवार को चुनाव के मतों की गिनती होगी। खेरागढ़ में भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।

आकाश अग्रवाल बोले- दोबारा मतदान होना शिकायत को सही दिखाता

सपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि पुनर्मतदान के दौरान भी शिक्षकों को धमकाया जा रहा है और मतदान की गति धीमी रखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि शिक्षकों से कहा जा रहा है कि अगर वे आकाश अग्रवाल को वोट देना चाहते हैं, तो मतदान करने न जाएं। उन्होंने स्थानीय विधायकों पर भी दबाव बनाने का आरोप लगाया।

डीसीपी ईस्ट अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के मुताबिक फोर्स तैनात की गई है। QRT के साथ PAC की भी तैनाती की गई है। मतदान केंद्रों के आसपास बैरियर लगाए गए हैं और पुलिस फुट पेट्रोलिंग कर रही है।

सैंया बूथ पर आमने-सामने आए भाजपा-सपा कार्यकर्ता

री-पोल के दौरान सैंया बूथ पर भाजपा और सपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। भाजपाई जयश्रीराम के जयकारे लगाने लगे। मामला बढ़ता देख मौके पर मौजूद पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग-अलग किया। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को बूथ से काफी देर भेज दिया। फिलहाल शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। सैंया बूथ पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। चेकिंग के बाद ही मतदाताओं को बूथ के अंदर प्रवेश दिया जा रहा है। सैंया में री-पोल के दौरान सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल बूथ पर पहुंचे। उन्होंने डीएम मनीष बंसल और पर्यवेक्षक से बातचीत की।

उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र पर आने-जाने के नियम सख्त रखे गए हैं। केवल अधिकृत लोगों को ही पोलिंग बूथ तक जाने की अनुमति है। अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

होटल में अचानक गिरी बैंक मैनेजर की पत्नी

सिर पर चोट लगने से मौत, झांसी में 4 महीने पहले हुई थी शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी के एक होटल में बैंक मैनेजर की पत्नी की मौत हो गई। दोनों की 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। शनिवार को होटल में कमरा बुक करके रुके थे। अगले दिन चेकआउट की तैयारी कर रहे थे। तभी कमरे के दरवाजे पर खड़ी पत्नी अचानक पीछे की तरफ सिर के बल गिर पड़ी, जिससे उसका सिर फट गया। फर्श पर खून फैल गया। पति उसे उठाकर कमरे में ले गया और फिर होटल स्टाफ की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है। घटना का CCTV भी सामने आया है। इसमें महिला अपने पति और होटल कर्मचारी के साथ कमरे की ओर जाती दिख रही है। कर्मचारी और पति कमरे के अंदर जाते हैं, जबकि महिला पीछे-पीछे दरवाजे तक पहुंचती है। 4 सेकेंड में खड़े-खड़े नीचे गिर जाती है। पुलिस के मुताबिक, मृतक मुस्कान (27) अपने पति निलेश (33) के साथ होटल ऋषभ में ठहरी हुई थी। निलेश मध्य प्रदेश के विदिशा का रहने वाला है। MP ग्रामीण बैंक में सोसाइटी मैनेजर के पद पर तैनात है। मुस्कान के पिता ने दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है। प्रेमनगर के नैनागढ़ में रहने वाले रामजीलाल सिमौलिया ने बताया- मेरी बेटी मुस्कान की शादी 29 जून को निलेश से हुई थी।

फास्ट न्यूज

दो ट्रकों के बीच फंसकर चालक की मौत

कानपुर। कानपुर के कलक्टरगंज थाना क्षेत्र में दो ट्रकों के बीच फंसकर एक के चालक बबलू की मौत हो गई। हादसे के वक्त वह ट्रक की सफाई कर रहा था। तभी पास खड़े दूसरे ट्रक के चालक ने वाहन आगे बढ़ा दिया। इससे बब्लू दोनों वाहनों के बीच दब गया। परिवार के लोगों का आरोप है कि उसे जानबूझकर कुचल गया है।

भाजपा ने राम के नाम पर सत्ता हासिल की : राजेंद्र

अलीगढ़। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सोमवार को अलीगढ़ में भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी, महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राम और लोगों की आस्था का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए किया, लेकिन जनता से किए वादे पूरे नहीं किए। गौतम ने पुलिस एनकाउंटर और दलित उत्पीड़न के मामलों पर भी सवाल उठाए। विपक्षी गठबंधन की बातचीत पर गौतम ने दावा किया कि 175 से 200 सीटों के बीच की सूची सौंप दी गई है।

4 दिन के भीतर डेंगू के 24 मरीज

कानपुर। शहर में डेंगू का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। बीते चार दिनों में 24 नए मरीज मिलने के साथ इस साल डेंगू के कुल मामलों की संख्या 271 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को छह, शनिवार को छह और शुक्रवार को 12 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई। नए मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में जांच और बचाव की गतिविधियां तेज करने की बात कही है।

टीचर का इकलौता बेटा ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरा

शव देखकर मां-बाप बेहोश, नया गिटार खरीदकर बाइक से लौट रहा था

- शाश्वत गिटार लेने के लिए निकला था। ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरकर मौत हो गई।
- बेटे का शव देखकर मां बेहोश हो गई। लोगों ने किसी तरह उन्हें संभाला।

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। संतकबीरनगर में टीचर के इकलौते बेटे की ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरकर मौत हो गई। किशोर सड़क पर औंधे मुंह गिरा। वह नया गिटार खरीदकर बाइक से वापस लौट रहा था। हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे का शव देख माता-पिता बेहोश हो गए। मृतक की पहचान शाश्वत राय (17) के रूप में हुई है। पिता संजय राय सरकारी और मां अनिता राय प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। हादसा खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ। शाश्वत इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मूलरूप से मेंहदावल के अव्वल केवटलिया मोहल्ले में रहता था। पिछले पांच साल से मां-बाप और 4 साल की बहन खलीलाबाद शहर में किराए के मकान में रह रहे थे। पिता की तैनाती मेंहदावल विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय, गगनई बाबू में है। मां ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पढ़ाती हैं। परिजनों के मुताबिक, शाश्वत रात करीब 8 बजे घर से गिटार लेने के लिए बाइक लेकर निकला था। शाश्वत के चाचा संजित राय ने बताया कि उनका भतीजा गिटार लेकर वापस घर आ रहा था। नूर मस्जिद के सामने से ओवरब्रिज से गुजरते समय पीछे से किसी गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह फ्लाईओवर से नीचे गोलाबाजार के पास पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर गिर गया। उन्होंने बताया- नवरात्रि से दो दिन पहले वह घर आया था। सोमवार को वापस इलाहाबाद जाने वाला था। उसके जाने के लिए सामान की पैकिंग भी हो चुकी थी। घर से निकलते हुए शाश्वत ने मां से कहा था कि दो मिनट में गिटार लेकर आ रहा हूं।

गाजियाबाद में रोजगार मेले का आयोजन, 5,000 युवाओं ने लिया हिस्सा

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा की पहल से साहिबाबाद

तमसा संकेत, संवाददाता

श्री शर्मा ने कहा कि आज के समय में केवल शैक्षिक योग्यता ही नहीं, बल्कि तकनीकी दक्षता और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल भी रोजगार पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- 10,000 युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य, टीसीएस, फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स समेत करीब 40 नियोक्ताओं ने की सहभागिता

गाजियाबाद/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा की पहल पर साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र, गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल में भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की मांग के अनुरूप करियर बनाने में मदद देने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में लगभग 5,000 युवाओं ने प्रतिभाग किया। 1M1B फाउंडेशन और माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से आयोजित रोजगार मेले में टीसीएस, फॉक्सकॉन, फोर्स मोटर्स, किया मोटर्स, टीवीएस, अडानी सोलर और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न कंपनियों ने हिस्सा लिया।

करीब 40 नियोक्ताओं की भागीदारी से युवाओं को कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने, साक्षात्कार देने और अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर तलाशने का मंच मिला। इस अवसर पर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से 10,000 युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में आगे भी निरंतर रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे, ताकि साहिबाबाद और आसपास के क्षेत्रों के अधिक से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करने का अवसर मिल सके।

5 महीने के लव के लिए पिता को मार डाला

इटावा में 17 साल की बेटी ने सिलबट्टे से सिर कूचा

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में 17 साल की बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या कर दी। इसके बाद लाश को कंबल से लपेटकर बक्से में बंद कर दिया और दोनों भाग गए। 4 दिन बाद जब घर से बदबू बाहर आने लगी, तब पड़ोसियों ने पुलिस को खबर धी। 21 अक्टूबर को हुई वारदात का पुलिस ने सोमवार दोपहर 2:30 बजे खुलासा किया। पुलिस ने बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल बेज दिया। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। कांशीराम कॉलोनी के टीबी अस्पताल परिसर में श्यामसुंदर कठेरिया अपनी 17 साल की बेटी के साथ रहते थे। वह एक होटल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। बड़ी बेटी काजल की शादी हो चुकी है। वह जसवंत-नगर के भीकनपुर गांव में अपनी ससुराल में रहती है। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, पूछताछ में बेटी ने बताया कि उसने 5 महीने पहले बड़ी बहन काजल से मोबाइल रिचार्ज कराने को कहा था। काजल ने अपने देवर को छोटी बहन का नंबर दे दिया था। देवर ने मातनटोला अहेरीपुर में रहने वाले अपने दोस्त अभिलाष सिंह (21) से नंबर रिचार्ज कराया। अभिलाष मजदूरी करता है। रिचार्ज करने के बाद अभिलाष काजल की छोटी बहन से बात करने लगा। जब यह बात पिता श्यामसुंदर को पता चली, तो वे विरोध करने लगे।

नगर विकास निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल समेत कई अधिकारी रहे मौजूद

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सफाई मित्रों का सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगरीय निकाय निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव पी. गुरु प्रसाद और सचिव एवं निदेशक अनुज कुमार झा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ए.के. शर्मा ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन, विचारों और शिक्षाओं को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने ज्ञान, तप और रचनाओं के माध्यम से देश को संस्कारों की अमूल्य विरासत दी। भगवान श्रीराम के जीवन और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं समाज को मर्यादा, नैतिकता और सदाचार का मार्ग दिखाती हैं।

सफाई मित्र शहरों की स्वच्छता के आधार स्तंभ

नगर विकास मंत्री ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उनके अथक परिश्रम से ही नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल पाता है। सफाई मित्र केवल सफाई व्यवस्था का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों के श्रम और समर्पण का सम्मान करना सभी का दायित्व है। उन्होंने उनसे अपने महत्वपूर्ण कार्य को इसी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया।

महापौर और अधिकारियों ने भी रखे विचार

कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव पी. गुरु प्रसाद और निदेशक अनुज कुमार झा ने भी महर्षि वाल्मीकि के जीवन, आदर्शों और नैतिक मूल्यों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाओं को आत्मसात करने और स्वच्छता व्यवस्था में योगदान देने वाले कर्मचारियों के श्रम का सम्मान करने का संदेश दिया गया।

जांच : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के काफिले में चल रहे वाहनों के साथ सुल्तानपुर में हुए हादसे की जांच के डीजीपी ने दिए निर्देश

राहुल गांधी के काफिले में दुर्घटना पर योगी सरकार की त्वरित कार्रवाई

- दुर्घटना के कारणों से लेकर एस्कॉर्ट व्यवस्था तक की होगी जांच, जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश
- आईजी किरण एस की अध्यक्षता में बनी एसआईटी, दो अन्य अधिकारी भी शामिल

दुर्घटना के कारणों एवं परिस्थितियों की होगी विस्तृत जांच, ऐसी किसी चूक को रोकने के लिए सुझाव देने के भी निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

दुर्घटना के कारणों का पता लगाएगी टीम

डीजीपी राजीव कृष्ण ने घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए हादसे के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। एसआईटी दुर्घटना से पहले और उसके दौरान की परिस्थितियों का परीक्षण करेगी। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि वाहनों के दुर्घट-नाग्रस्त होने के पीछे क्या कारण रहे और घटना किन परिस्थितियों में हुई। टीम दुर्घटना से जुड़े उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। जांच का उद्देश्य हादसे की परिस्थितियों को स्पष्ट करना और संभावित जिम्मेदारियों का निर्धारण करना है।

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 26 अक्टूबर को सुलतानपुर दौरे के दौरान उनके काफिले के पीछे चल रहे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआ-ईटी) का गठन किया गया है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर गठित यह टीम हादसे के कारणों और उससे जुड़ी परिस्थितियों की विस्तृत जांच करेगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए काफिले की सुरक्षा, एस्कॉर्ट प्रबंधन और यातायात व्यवस्था में संभावित चूक की भी पड़ताल की जाएगी। दुर्घटना की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस करेंगे। टीम में सुलतानपुर के अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह और यातायात पुलिस के उपाधीक्षक राम कृष्ण चतुर्वेदी को सदस्य बनाया गया है।

तीनों अधिकारियों को घटना के सभी पहलुओं की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसआईटी दुर्घटना की जांच के साथ राहुल गांधी के काफिले के पीछे चल रहे वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था, एस्कॉर्ट प्रबंधन और यातायात संचालन की भी समीक्षा करेगी। अधिकारियों को यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई है कि काफिले की आवाजाही के दौरान सुरक्षा संबंधी निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन किया गया था या नहीं। यदि जांच के दौरान किसी स्तर पर लापरवाही अथवा सुरक्षा व्यवस्था में चूक सामने आती है।

भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए दिए जाएंगे सुझाव

डीजीपी ने एसआईटी को सभी पहलुओं की समग्र जांच कर जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देने को भी कहा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दुर्घटना के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल एसआईटी की जांच पूरी होने और रिपोर्ट सामने आने का इंतजार है। तो उससे जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी। हालांकि, जांच पूरी होने से पहले किसी स्तर पर लापरवाही की पुष्टि नहीं हुई है।

योगी सरकार की पहल: जैव प्रौद्योगिकी से बदलेगी यूपी की औद्योगिक तस्वीर

यूपी में बनेगा बायोई-3 सेल, लैब से बाजार तक पहुंचेगी तकनीक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश को जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी) के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए नई पहल की है। प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और जैव विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय बायोई-3 सेल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश प्रोमोट फार्मा काउंसिल (यूपीपीपीसी) ने देश के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित की है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में हो रहे शोध को उद्योगों से जोड़ना, स्वदेशी तकनीकों को बाजार तक पहुंचाना और स्टार्टअप के साथ रोजगार के नए अवसर बढ़ाना है। योगी सरकार की यह पहल केंद्र सरकार की बायोई-3 नीति के अनुरूप है। बायोई-3 में अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है। इसके तहत जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नो-लॉजी) के इस्तेमाल से औद्योगिक विकास (इंडस्ट्रियल डवलपमेंट) को बढ़ावा देने और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन की संभावना-ओंपर काम किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में भी इस क्षेत्र की वैज्ञानिक क्षमता और औद्योगिक संभावनाओं का इस्तेमाल कर नए अवसर पैदा करने की तैयारी है। यूपीपीपीसी की सीईओ कृतिका शर्मा ने बताया कि प्रदेश में बायोई-3 पहल को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ का एक पैनल बनाया गया है। इसमें सीएसआईआर की प्रमुख प्रयोगशालाओं, आईआईटी, नाइपर रायबरेली और लखनऊ स्थित सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) के वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों को शामिल किया गया है। इन विशेषज्ञों से प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी के विकास और इसे उद्योगों से जोड़ने के लिए सुझाव लिए जाएंगे। इसके लिए वैज्ञानिक संस्थानों, शैक्षणिक संगठनों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश में मौजूद शोध सुविधाओं और विशेषज्ञता का इस्तेमाल नई तकनीकों के विकास और उनके व्यावसायिक उपयोग करना है। पैनल में यूपीपीपीसी के महाप्रबं-धक (अनुसंधान एवं नवाचार) प्रो. (डॉ.) संदीप शर्मा को संयोजक बनाया गया है।

10 जनवरी को दिल्ली तक पैदल यात्रा, करणी सेना अध्यक्ष बोले- बच्चों के भविष्य की लड़ाई लड़ रहे

यूजीसी के नियमों के विरोध में सम्मेलन

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में यूजीसी के कथित काले कानून के विरोध में 10 जनवरी को पैदल न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा आगरा से शुरू होकर दिल्ली तक जाएगी। राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रविवार को इसकी घोषणा की।

आरबीएस कॉलेज के राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय क्षत्रिय वीरता एवं विजय पर्व समारोह आयोजित किया गया था। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों से क्षत्रिय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान 'काला कानून वापस लो' और 'यूजीसी रोलबैक' के नारे लगाए गए। यात्रा

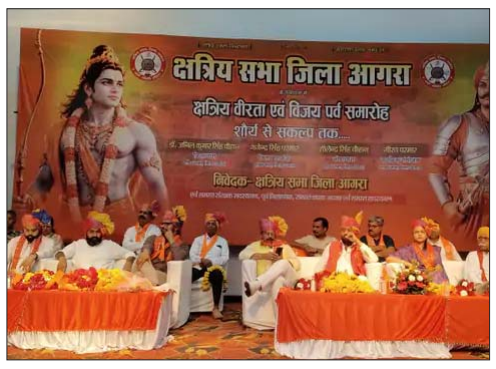

की घोषणा करते हुए आयोजकों ने समाज के लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। उनका कहना है कि यह विरोध बच्चों के भविष्य और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर किया जा रहा है।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, पूर्व विधायक रविन्द्र सिंह, डॉ. रामकेश परमार, कपूरचंद सिकरवार, आरपी सिंह जादौन, दिनेश सिकरवार, डॉ. रामलखन सिंह राठौर, श्याम भदौरिया, शीलेन्द्र सिंह चौहान, ब्रजराज सिंह परमार, विवेक तोमर, राजवीर सिंह ककरारी, चंद्रभान तोमर और देवेंद्र धाकरे सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

10 जनवरी को दिल्ली कूच करने का ऐलान

राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि यूजीसी के नियमों के विरोध में देशभर में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उनके मुताबिक, चार राज्यों में हजारों किलोमीटर की न्याय यात्रा निकाली जा चुकी है। अब मध्य प्रदेश होते हुए 10 जनवरी को दिल्ली पहुंचने की योजना है। उन्होंने कहा कि आगरा से भी पैदल यात्रा निकालकर दिल्ली कूच किया जाएगा। मकराना ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध किसी जाति या संप्रदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए आवाज उठा रहे हैं।

शिक्षा और सामाजिक सुधार पर भी चर्चा

स्वागत भाषण में एडवोकेट विजयपाल सिंह चौहान ने कहा कि गौरवशाली इतिहास को याद करने के साथ वर्तमान में सुधार का संकल्प लेना भी जरूरी है। जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह परमार और कार्यक्रम संयोजक गौरव परमार ने समाज में समरसता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और अंधविश्वास व कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अनाया परमार ने 'श्री रामचंद्र कृपालु' भजन पर नृत्य प्रस्तुति दी। संचालन जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह परमार ने किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, पूर्व विधायक रविन्द्र सिंह, डॉ. रामकेश परमार, कपूरचंद सिकरवार, आरपी सिंह जादौन, दिनेश सिकरवार, डॉ. रामलखन सिंह राठौर, श्याम भदौरिया, शीलेन्द्र सिंह चौहान, ब्रजराज सिंह परमार, विवेक तोमर, राजवीर सिंह ककरारी, चंद्रभान तोमर और देवेंद्र धाकरे सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

समाज की सेवा और एकजुटता पर दिया जोर

यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के चेयरमैन मेघराज सिंह रॉयल ने कहा कि राजपूत समाज का धर्म सेवा करना है। पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह ने समाज के लोगों से एकजुट रहने और अपनी ताकत पहचानने की अपील की। क्षत्रिय सभा जिला आगरा की ओर से विजयादशमी के उपलक्ष्य में 'शौर्य से संकल्प तक' थीम पर समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के चित्रों के सामने दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण से हुई।

ब्रज-रज उत्सव में खादी का जलवा, 20 स्टॉल पर स्वदेशी उत्पादों की धूम

आधुनिक फैशन की खादी के साथ हस्तनिर्मित आभूषण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ब्रज-रज उत्सव 2026 में स्वदेशी खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से उत्सव में खादी की 10 और ग्रामोद्योगी उत्पादों की 10 स्टॉल लगाई गई हैं। खादी की स्टॉलों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। खादी की स्टॉलों पर पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक फैशन के अनुरूप तैयार किए गए उत्पाद भी उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री की ओर से 'मन की बात' कार्यक्रम में खादी का कम से कम एक उत्पाद उपयोग करने की अपील का असर भी देखने को मिल रहा है। खादी को स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण अनुकूलता का प्रतीक माना जाता है। इसके हस्तनिर्मित उत्पादों की देश-विदेश में मांग है। वहीं, ग्रामोद्योगी उत्पादों की स्टॉलों पर हस्तनिर्मित आभूषण, मिट्टी से बने उत्पाद, हर्बल सामग्री, जैविक गुड़ और अगरबत्ती सहित कई वस्तुएं उपलब्ध हैं। ये उत्पाद उत्सव में आने वाले लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। स्टॉलों पर हो रही बिक्री से खादी संस्थाओं और ग्रामोद्योगी उद्यमियों में उत्साह है।

फास्ट न्यूज

ताजमहल के गार्डन में निकला 7 फीट लंबा सांप

आगरा। आगरा में रविवार को ताजमहल घूमने पहुंचे पर्यटकों के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब लेबर गेट के पास गार्डन में करीब 7 फीट लंबा सांप दिखाई दिया। सांप को देखकर पर्यटक घबरा गए और वहां से हटने लगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। हालांकि, वन विभाग की टीम पहुंचने से पहले ही सुंदर पहलवान ने सांप को पकड़ लिया।

गोरखपुर में युवक पर चाकू-भुजाली से हमला

गोरखपुर। गोरखपुर में प्रतिमा विसर्जन के दौरान डांस करने को लेकर हुआ विवाद मारपीट और जानलेवा हमले तक पहुंच गया। आरोप है कि आर्यनगर में रामवृक्ष स्वीट हाउस के पास कुछ युवकों ने 25 वर्षीय आकाश अग्रहरी पर भुजाली और चाकू से गले व चेहरे पर हमला कर दिया। आकाश के शरीर पर 32 टांके लगे हैं। परिवार का दावा है कि घटना के 6 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित पक्ष कोतवाली और गोरखनाथ थाने का चक्कर लगा रहा है। परिजनों का कहना है कि घटना की रिकार्डिंग सीसीटीवी कैमरे में मौजूद है।

'बम लहरी' पर डमरू लेकर नाचे कैलाश खेर

कानपुर। कानपुर के परेड ग्राउंड में बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर ने शो किया। स्टेज पर 2 घंटे से ज्यादा समय तक रहे कैलाश खेर ने 17 भजन और गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान उनके फैन झूमते, गाते और डांस करते नजर आए। 20 हजार से ज्यादा लोगों ने एक साथ मोबाइल की टॉर्च ऑन करके हाथ लहराए तो पंडाल में सितारे जगमगाते नजर आए।

वृंदावन में अवैध चाकू और चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा भी दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन (मथुरा)। वृंदावन पुलिस ने सुनरख पार्किंग बैरियर के पास कच्चे रास्ते से एक युवक को चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विक्रम (21) पुत्र कमल सिंह निवासी अगरयाला, थाना शेरगढ़, मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, सुनरख पार्किंग बैरियर के पास कच्चे रास्ते पर कार्रवाई के दौरान आरोपी विक्रम को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसका पंजीकरण नंबर UP 85 CZ 6707 है। इसके अलावा उसके पास से एक अवैध चाकू भी मिला। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(5) और आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इसके बाद उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी विक्रम के खिलाफ वृंदावन थाने में एनडीपी-एस एक्ट की धारा 8/20 के तहत भी मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े इस तथ्य की जानकारी भी दी है।

हिंदू युवक से लव-मैरिज करने से नाराज था, 4 महीने पहले की थी शादी

बहन की हत्या करके लाश दफनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में दूसरे धर्म के युवक से लव मैरिज करने पर भाई ने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद शव को दफना दिया। पति ने राजस्थान से पत्नी को फोन किया तो उसका फोन बंद मिला। 15 दिन तक काफी कोशिश के बाद भी जब उससे सम्पर्क नहीं हो पाया तो उसने पत्नी के घरवालों से फोन करके उसके बारे में पूछा।

पहले तो वे टालमटोल करते रहे फिर फोन उठाना बंद कर दिया। उसे अनहोनी का शक हुआ।

जिसके बाद उसने पत्नी के अपहरण किए जाने की सूचना राजस्थान के झुंझुनू थाने की पुलिस को दी। राजस्थान पुलिस ने मामले की जांच के लिए मथुरा पुलिस के पास 23 अक्टूबर को मेल भेज दिया। उसके बाद मथुरा के थाना गोविंद नगर पुलिस छानबीन में जुट गई।

- नाजिया उर्फ जन्नत मथुरा के बद्रीनगर नई बस्ती की रहने वाली थी।
- नाजिया के हत्या के आरोपी अकरम को लेकर घटना स्थल की जांच करते पुलिस कर्मी।
- रविवार को नाजिया का शव कब्रिस्तान में खोदाई करके निकलवाया गया।

दो साल तक दिल्ली में साथ काम करने के बाद हुआ था प्यार

पुलिस के अनुसार- मथुरा के बद्रीनगर नई बस्ती की रहने वाली नाजिया उर्फ जन्नत दिल्ली में एक स्पोर्ट्स के कपड़े बनाने वाली फैक्ट्री में काम करती थी। यहीं पर उसकी मुलाकात राजस्थान के झुंझनू जिले के गांव पचेरीकलां के रहने वाले रविंद्र से हुई थी। दोनों में बातचीत के बाद दोस्ती हो गई। दोस्ती फिर अफेयर में बदल गई। दोनों में दो साल तक अफेयर चला। दोनों ने अपने परिजन को अपने रिश्ते के बारे में बताया तो रविंद्र के घरवाले तो मान गए लेकिन नाजिया के परिजन शादी की बात पर तैयार नहीं हुए।

4 महीने पहले की शादी

नाजिया के परिजन जब इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं हुए तो वह 4 महीने पहले घर छोड़ कर चली गई। उसके बाद उसने रविन्द्र से शादी कर ली। 3 महीने तक नाजिया के परिजन उससे रिश्ता तोड़ने के लिए कहते रहे लेकिन नाजिया नहीं मानी। इसके बाद परिजनों ने रिश्ता कबूल होने का दिखावा किया। 25 सितंबर को नाजिया की मां और मौसी किसी तरह बातों में फंसाकर उसे मथुरा ले आईं। यहां कुछ दिन रहने के बाद जब नाजिया ने वापस जाने के लिए कहा तो परिजन विरोध करने लगे।

पुलिस ने पहले युवती के घरवालों से पूछताछ की। वे गोलमोल जवाब देते रहे। पहले कहा कि वे नहीं जानते हैं लड़की कहां है। लेकिन बाद में भाई ने बताया की करंट लगने से बहन की मौत हो गई है।

गोरखपुर में पत्नी बोली- सभी हत्या में शामिल थे, न्याय पाने तक लड़ूंगी लड़ाई

राजकुमार हत्याकांड में पार्षद धर्मदेव समेत 6 को क्लीनचिट

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के चिलुआताल क्षेत्र के चर्चित राजकुमार चौहान हत्याकांड में पार्षद धर्मदेव चौहान समेत 6 नामजद आरोपियों को पुलिस की विवेचना में क्लीनचिट मिल गया। इस कार्रवाई से मृतक का परिवार संतुष्ट नहीं है। राजकुमार की पत्नी सुशीला चौहान ने इस फैसले पर दुख जताते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी रविवार को मिली। सुशीला चौहान का आरोप है कि नामजद किए गए सभी लोग हत्या में शामिल थे। उन्होंने कहा कि सभी आरोपी जेल से छूटकर बाहर आ गए हैं, जिससे परिवार को डर सता रहा है। उन्हें आशंका है कि भविष्य में कोई अप्रिय घटना हो सकती है। सुशीला ने कहा कि वह न्याय पाने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगी। उन्होंने सिसवा बाजार से समाजवादी पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने की भी बात कही। नीरज ने कहा कि 6 आरोपियों को क्लीनचिट दिए जाने की जानकारी मिलने के बाद परिवार कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि थाने और प्रशासन की ओर से उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत रखेंगे और आगे अपील करेंगे।

गोरखनाथ पुलिस ने जांच कर क्लीनचिट दिया

गोरखपुर के राजकुमार चौहान हत्याकांड में पार्षद धर्मदेव चौहान समेत 6 नामजद आरोपियों के नाम पुलिस ने विवेचना के बाद मुकदमे से निकाल दिए हैं।

पुलिस जांच में इनके खिलाफ हत्या या साजिश में शामिल होने के ठोस साक्ष्य नहीं मिले।

पुलिस के मुताबिक, मामले में विवेचना पूरी कर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

इनमें से 9 आरोपियों के जेल में होने की जानकारी है।

क्लीनचिट देने से भतीजा भी हैरान

राजकुमार के भतीजे नीरज चौहान ने कहा कि घटना के समय मौके पर मौजूदगी की जानकारी मिलने के आधार पर इन लोगों के नाम एफआईआर में शामिल कराए गए थे। उन्होंने बताया कि जब भी परिवार थाना प्रभारी से आरोपियों की भूमिका को लेकर जानकारी लेता था तो यही बताया जाता था कि अभी किसी को क्लीनचिट नहीं दी गई है और सभी की भूमिका की जांच की जा रही है।

जनगणना-2027 के प्रशिक्षण का शुभारंभ, प्रगणकों को समझाए दायित्व

एसडीएम अश्वनी कुमार ने कहा- सटीक आंकड़े ही विकास योजनाओं का आधार

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत नगर पंचायत बलदेव एवं गोकुल के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र बलदेव पर शुरू हुआ। उप जिलाधिकारी महावन अश्वनी कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। एसडीएम ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि देश की भावी विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता के लिए आंकड़ों का सही संकलन और कार्मिकों की कर्तव्यनिष्ठा बेहद जरूरी है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना की प्रक्रिया, दिशा-निर्देशों और कार्य निष्पादन की बारीकियों की जानकारी दी जाएगी, ताकि कार्य को त्रुटिरहित एवं व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जा सके। इस अवसर पर सुनील पांडेय, श्याम सुंदर पांडेय, गोकुलेश पांडेय, मनीष शर्मा, अमित शर्मा, डॉ. जगदीश पाठक, सुजीत वर्मा, कपिल कुमार, सुसेंद्र मित्तल, संजय कुमार, लक्ष्मण पांडेय और ओमबीर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

भारत ने ई100 ईंधन ...

भारत सरकार पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण बढ़ाकर कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम कर रही है। देश में E20 पेट्रोल की शुरुआत हो चुकी है। इसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल होता है। वाहन निर्माता कंपनियां भी फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक पर काम कर रही हैं। दी गई जानकारी के अनुसार, मारुति सुजुकी इंडिया ने जून में वैगनआर का फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल पेश किया था, जिसे E20 से E100 तक के ईंधन के अनुकूल बताया गया है। टोयोटा, टाटा मोटर्स और हुंडई समेत अन्य कंपनियां भी भारतीय बाजार के लिए ऐसी तकनीक विकसित करने में जुटी हैं। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में प्रस्तावित बदलावों में E85 और E100 के अलावा B100 बायोडीजल तथा हाइड्रोजन-CNG मिश्रित ईंधन के इस्तेमाल से जुड़े प्रावधानों का भी उद्देश्य रखा गया है। इन बदलावों के जरिए वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग का दायरा बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र में नए विकल्प विकसित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

ज्ञानेश को हटाएं ...

दिल्ली के कश्मीरी गेट पर सोमवार को व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस से 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली को दिवाली के बाद कराने की मांग की। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि इस मुद्दे पर INDIA गठबंधन के सभी दलों को पत्र लिखा जाएगा। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। 1 नवंबर की रैली से थोक बाजारों पर गंभीर असर पड़ सकता है। कारोबार पर भारी असर पड़ेगा, क्योंकि रिपोर्टों के मुताबिक रामलीला मैदान में 10 लाख लोग जुट सकते हैं, जबकि इसकी वास्तविक क्षमता करीब 50 हजार है। रामलीला मैदान के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 20 से ज्यादा प्रमुख थोक बाजारों का कारोबार प्रभावित हो सकता है। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, नया बाजार, चावड़ी बाजार, दरियागंज और कश्मीरी गेट शामिल हैं। बैरिकेडिंग और सड़कें बंद होने से दिल्ली के बाहर से रोजाना आने वाले 3 से 4 लाख खरीदार बाजारों तक नहीं पहुंच पाएंगे। ट्रैफिक और आवाजाही पर प्रतिबंध की आशंका से स्थानीय ग्राहक भी इन बाजारों में आने से बच सकते हैं। रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारी संगठन CAIT के मुताबिक, 2025 में इन बाजारों में दिवाली पर त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी। INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच 8 बार प्रदर्शन किए। कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन बुलाया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी। इस दौरान शहर में बैरिकेडिंग की गई थी, 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहे और 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

तमिलनाडु में ₹100 ...

कुछ घंटे बाद ही ग्रेटर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच (CCB) ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। मामला निजी स्कूलों को सरकारी मंजूरी दिलाने के नाम पर पैसे जुटाने से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार, तमिलनाडु प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्कूल मैनेजमेंट से संपर्क किया और सरकारी मंजूरियां दिलाने का भरोसा देकर पैसे लिए। मामले की शुरुआत तमिलनाडु में निजी स्कूलों के संगठनों से जुड़े डी.सी. इलंगोवन की शिकायत से हुई। वह फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस ऑफ प्राइवेट स्कूल्स, तमिलनाडु के सचिव बताए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बीटी अरसाकुमार और दूसरे पदाधिकारियों ने निजी स्कूलों से सदस्यता शुल्क और दूसरी रकम ली। दावा किया गया कि इसके बदले स्कूलों को सरकारी अनापत्ति प्रमाणपत्र, लाइसेंस, स्थायी मान्यता, नवीनीकरण और अन्य मंजूरियां दिलाई जाएंगी। शिकायत के अनुसार, पैसे लेने के बावजूद वादे पूरे नहीं किए गए। मामले में बी.टी. अरसाकुमार के अलावा पूर्व विधायक मुथुकुमार का नाम भी सामने आया है। रिपोर्टों के मुताबिक, मुथुकुमार फरार है। उसे महेश का करीबी बताया गया है। महेश ने अदालत में कहा कि ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है, जिससे साबित हो कि उन्होंने खुद अवैध रकम ली। उन्होंने यह भी दलील दी कि कुछ लोगों ने उनका नाम इस्तेमाल करके स्कूलों से पैसे जुटाए होंगे और शिकायतकर्ता की एसोसिएशन के अध्यक्ष से नाराजगी भी शिकायत की वजह हो सकती है।

हम साधु-संत नहीं...

सपा मुख्यालय में हुए इस कार्यक्रम के जरिए पार्टी ने एक ओर नए नेताओं के शामिल होने का संदेश दिया, तो दूसरी ओर गरीब परिवारों को आवास की चाबियां सौंपकर जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को भी सामने रखा। अखिलेश यादव का कुर्सी और विकास को लेकर दिया गया बयान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी के जवाब के रूप में चर्चा में रहा।

कार पार्किंग को लेकर...

आवाज सुनकर सुयश घर से बाहर आया, तो ऋषभ ने उसे भी गोली मार दी। ऋषभ (30) मर्चेंट नेवी में नेविगेशन अफसर था। उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। मौके पर 50-60 पुलिसकर्मी तैनात हैं। मृतक शिवेंद्र की पत्नी रुचि तिवारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10:35 बजे पति वॉक पर जा रहे थे। तभी राजेश शुक्ला, ऋषभ शुक्ला, गिरीश शुक्ला, दिनेश शुक्ला, मुन्ना बाबू और दिनेश कुमार की बेटियां दिव्या, प्रिया व अदिति ने एक साथ मिलकर उनको घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए उन्हें लाठी-डंडों और पत्थरों से पीटा जाने लगा। शोर सुनकर मेरे जेठ शिवाजी तिवारी और भतीजा सुयश बीच-बचाव करने मौके पर पहुंचे। इस पर हमलावरों ने शिवेंद्र के साथ शिवाजी और सुयश को भी पकड़ लिया। पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की, फिर गोली मार दी। इस पूरे मामले की शिवेंद्र तिवारी की पत्नी रुचि तिवारी ने सआदतगंज थाने में शिकायत दी है। इसके मुताबिक, उनके पड़ोस में रहने वाले राजेश शुक्ला उर्फ टुन्नू बाबू, ऋषभ शुक्ला, गिरीश शुक्ला, दिनेश शुक्ला, मुन्ना बाबू और अन्य लोग आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। ये पहले भी जिला बदर हो चुके हैं। ये लोग आए दिन झूठी एप्लिकेशन देकर हमारे परिवार को परेशान करते थे। स्थानीय सभासद अनुप कमल सार्वजनिक कार्य करा रहे थे। जिसका हम लोग समर्थन कर रहे थे। लेकिन, ऋषभ और उसके परिवारवाले इसका विरोध कर रहे थे। इसी के चलते ये लोग हमसे रंजिश मान रहे थे। पड़ोसी अनूप सक्सेना ने बताया- इनका हमेशा झगड़ा होता रहता था। आज जब ये लोग झगड़ रहे थे, तो मैंने कहा कि क्यों सुबह-सुबह यह सब कर रहे हो। तब ऋषभ ने कहा- पुलिस को फोन लगाओ। मैं कॉल करने के लिए अपना फोन लेने घर में गया, तभी 8-10 राउंड गोलियां चल गईं। लौटकर देखा तो लाशें पड़ी थीं। कुछ दिन पहले बड़ा झगड़ा हुआ था, तो सआदतगंज थाने में बात हुई थी। तब पुलिस ने कहा था कि नगर निगम का मैटर है। आप लोग क्यों झगड़ा कर रहे हैं? इसके बाद इन दोनों ने झगड़ा बंद कर दिया था।

राहुल गांधी शाह ...

ऐसे मामलों से अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है। मामले दायर करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। बिना ठोस आधार के मुकदमा नहीं करना चाहिए। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल की तरफ से वरिष्ठ वकील आरएस चीमा और काशी शुक्ला ने दलीलें दीं। जबकि, भाजपा नेता की तरफ से संतोष कुमार पांडे ने पैरवी की। 2019 में कर्नाटक के कोलार में चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों है' टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर दर्ज मानहानि मामले में गुजरात की अदालत ने 2023 में उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने छिपाई आर्थराइटिस की बीमारी

खुलासा

ख्वाजा का खुलासा- 22 की उम्र में पता चला था, लगा मैं मर जाऊंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा ने खुलासा किया है कि उन्होंने पूरे इंटरनेशनल करियर में रूमेटॉइड आर्थराइटिस छिपाकर रखा। ख्वाजा ने बताया कि उन्हें 22 साल की उम्र में इस बीमारी का पता चला था। उस समय वे न्यू साउथ वेल्स के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट में जगह बना रहे थे।

बीमारी के कारण उनके बाएं घुटने में तेज दर्द रहता था। उन्हें लगा कि वे दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। दवा और नियमित इंजेक्शन से वे करीब छह महीने बाद मैदान पर लौटे। ख्वाजा ने जनवरी 2026 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पांचवें एशेज टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। ख्वाजा ने 88 टेस्ट में 6,229 रन और 16 शतक बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ख्वाजा को डर था कि विरोधी या आलोचक उनकी बीमारी का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर सकते हैं। ख्वाजा ने जनवरी 2011 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पाकिस्तान में जन्मे पहले खिलाड़ी बने। इसके बाद उन्होंने संघर्ष और बड़ी उपलब्धियों से भरा करियर बनाया। उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से कई बार बाहर किया गया, लेकिन वह बार-बार टीम में लौटे। उनकी सबसे यादगार वापसी 2021-22 एशेज सीरीज में हुई। सिडनी टेस्ट की दोनों पारियों में उन्होंने शतक लगाए।

बीमारी के बारे में ख्वाजा बोले- लगा मैं मर जाऊंगा

ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियन स्टोरी कार्यक्रम में अपने अनुभव के बारे में बताया। वे चाहते हैं कि उनकी कहानी ऑटोइम्यून बीमारियों से जूझ रहे लोगों को प्रेरित करे। उन्होंने कहा, 'मुझे सच में लगा था कि मैं मरने वाला हूं। मैं बाथरूम तक 10 मीटर भी चल नहीं पाता था।'

दवाओं ने क्रिकेट में लौटने में मदद की- ख्वाजा

उन्होंने आगे कहा, 'अगर रूमेटॉइड आर्थराइटिस के साथ कोई प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर टॉप लेवल पर खेल सकता है, तो मुझे लगता है कि कई दूसरे लोग भी बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।' ख्वाजा ने बताया कि दवा ने उन्हें बीमारी के बाद क्रिकेट में लौटने में मदद की। उन्होंने कहा, 'उस दवा के बिना मैं कभी दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाता। मैं सामान्य जिंदगी भी नहीं जी पाता।'

> ख्वाजा को 2009 के ऑफ-सीजन में बीमारी का पता चला था। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ियों से इसे छिपाए रखा। हालांकि, मेडिकल प्रोफेशनल्स, कोच और क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर्स को यह पता था।
>
> ड्रेसिंग रूम में सबसे करीबी लोगों को भी इस बीमारी के बारे में पता नहीं था। बचपन के क्रिकेट साथी डेविड वॉर्नर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व साथी माइकल हसी भी इससे अनजान थे।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस क्या है?

एक ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) गलती से शरीर के हेल्दी सेल्स और जोड़ों की परत पर हमला करती है। इससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न पैदा होती है।

शुरुआती लक्षण क्या है?

जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न शामिल हैं। जो अक्सर सुबह के समय अधिक होते हैं। थकान, हल्का बुखार और भूख न लगना जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

सामान्य जोड़ों के दर्द से कितना अलग है?

- सामान्य जोड़ों का दर्द अक्सर बढ़ती उम्र, चोट, गलत पोस्चर या जोड़ों के घिसने (ऑस्टियोआर्थराइटिस) के कारण होता है।
- रूमेटॉइड आर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून स्थिति है, जो जोड़ों के अलावा फेफड़ों, हृदय और आंखों जैसे अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है।

नेपाल प्रीमियर लीग से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर संकट

पीसीबी के एनओसी ने रोका रास्ता, 26 अक्टूबर से शुरू होनी है लीग

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल प्रीमियर लीग (NPL) शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) की अनुमति रोक दी है। लीग की शुरुआत 26 अक्टूबर से होनी है। ESPN के मुताबिक, PCB हर खिलाड़ी के लिए करीब 25 हजार अमेरिकी डॉलर की फीस मांग सकता है। हालांकि, इस रकम की मांग को लेकर PCB की ओर से कोई लिखित सूचना होने की पुष्टि नहीं हुई है।

NOC किसी खिलाड़ी को दूसरे देश की लीग में खेलने के लिए उसके क्रिकेट बोर्ड की ओर से दी जाने वाली अनुमति है। विदेशी टी-20 लीग में खेलने के लिए केवल फ्रेंचाइजी से अनुबंध करना पर्याप्त नहीं होता। खिलाड़ी को अपने राष्ट्रीय बोर्ड की शर्तें भी पूरी करनी होती हैं। यह मामला इसलिए भी अहम है, क्योंकि NPL सोमवार, 26 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेली जानी है। आठ टीमों की इस लीग के मुकाबले काठमांडू में होने हैं और कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी पहले ही नेपाल पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान के टी-20 कप्तान साहिबजादा फरहान, हैदर अली, हुनैन शाह, हुसैन तलत, इफ्तिखार

अहमद, हसन अली और उसामा मीर के नाम शामिल हैं। इनमें साहिबजादा फरहान पाकिस्तान की टी-20 टीम के कप्तान हैं। हुसैन तलत और इफ्तिखार अहमद भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि हसन अली और उसामा मीर गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। PCB ने इस साल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की नई व्यवस्था की घोषणा की थी। इसमें लाल गेंद से खेले जाने वाले टेस्ट क्रिकेट और सफेद गेंद के वनडे-टी20 क्रिकेट के बीच अंतर किया गया था। इस व्यवस्था का विचार यह था कि टी-20 विशेषज्ञ खिलाड़ी, यदि उनके अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकराव न हो, तो अलग-अलग विदेशी टी-20 लीग में खेलने के अधिक अवसर पा सकें।

चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेला था ■ वैभव को फिर मौका मिल सकता है

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बाहर

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

ईशान किशन चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे T20 मैच से भी बाहर हो गए हैं। यह मैच मंगलवार को वेलिंग्टन में खेला जाएगा। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है।

ईशान जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 24 अक्टूबर को दूसरे मैच में भी नहीं खेले थे। टीम इंडिया ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता था। अब टीम की नजर तीसरा T20 जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त लेने पर है।

ईशान को 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले T20 के दौरान चोट लगी थी। BCCI की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। ईशान इस साल टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं।

मोर्ने मोर्कल ने ईशान की चोट की अपडेट देने के अलावा टीम के गेंदबाजों के वर्कलोड पर भी बात की। उन्होंने बताया कि टीम मैनेजमेंट 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कुछ गेंदबाजों को बैकअप के तौर पर न्यूजीलैंड में रोक सकता है। इनमें टी-20 सीरीज में खेल रहे अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह समेत सभी गेंदबाजों को वनडे और टेस्ट के लिए तैयार रखने की योजना बनाई गई है। टीम का लक्ष्य खिलाड़ियों का वर्कलोड संतुलित रखना और थकान के कारण चोट के जोखिम को कम करना है।

> गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को कहा कि ईशान की रिकवरी अच्छी चल रही है। वे ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन तीसरे टी20 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें एहतियात के तौर पर आराम दिया जा रहा है।

■ ईशान को फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में यह तस्वीर चोट लगने के समय की बताई जा रही है।

वैभव को फिर मिल सकता है मौका

वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में फिर मौका मिल सकता है। वैभव दूसरे टी-20 में ईशान की जगह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे थे। वे मैच में सिर्फ 4 रन बना पाए थे। बीसीसीआई ने ईशान की जगह कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया है, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की उम्मीद कम है।

मनोरंजन

एडवांस बुकिंग में रणबीर कपूर की रामायण का दबदबा

रिलीज से 10 दिन पहले कर ली 20 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) की फिल्म रामायणम् (Ramayana) को लेकर फैंस में खास उत्साह है। दशहरे के मौके पर यानी 20 अक्टूबर से इसकी एडवांस बुकिंग भी चालू कर दी गई है।

एडवांस बुकिंग तय रिलीज डेट से लगभग 15 दिन पहले ही शुरू हो गई थी। त्योहारी सीजन को देखते हुए पहले दिन टिकटों को लेकर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद बुकिंग की रफ्तार थोड़ी स्थिर हो गई है, लेकिन इस बड़े बजट वाली फिल्म को लेकर माहौल अभी भी पॉजिटिव बना हुआ है। 'रामायण' ने अकेले भारत में एडवांस बुकिंग के जरिए 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। पहले दिन के लिए देश भर में 2 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। शुरुआत में, प्री-सेल कलेक्शन में लगभग पूरा हिस्सा हिंदी वर्जन का था, लेकिन पिछले दो दिनों में कन्नड़ और तेलुगु भाषाओं के ज्यादा शो शुरू हो गए हैं। अभी भी फिल्म की कुल एडवांस बुकिंग में हिंदी वर्जन का हिस्सा 87% है। कन्नड़ वर्जन, जो अब लगभग 100 स्क्रीन्स पर चल रहा है अब तक 1 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुका है। कुछ सेंटर्स पर तो सुबह के शो में 80% तक ऑक्यूपेंसी देखी गई है। तेलुगु वर्जन अभी केवल 10-15 स्क्रीन्स पर ही शुरू हुआ है, लेकिन फिर भी यह तेजी से 40 लाख के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है। 'रामायण' के लिए एक अच्छी बात यह रही है कि विदेशों में इसकी रिलीज से पहले ही काफी चर्चा है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले, यानी 4 नवंबर को इसके 'पेड प्रिव्यू' रखे गए हैं।

शोले के सांभा की भांजी लेडी सुपरस्टार 90 के दशक की रही है फेसम हीरोइन आज मना रही है 54वां जन्मदिन

शोले के 'सांभा' की भांजी है ये हीरोइन

नई दिल्ली। शोले फिल्म में डाकू सांभा का किरदार निभाने वाले अभिनेता मैक मोहन को भला कौन भूल सकता है। बेशक मैक आज हम सबके बीच नहीं हैं, लेकिन सांभा (Sholay Sambha) के रोल के लिए वह सिनेमा जगत में हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेंगे। आज हम आपको मैक मोहन की भांजी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार के तौर पर जानी जाती हैं। 26 अक्टूबर को वह अदाकारा अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस लेख में जिस एक्ट्रेस के बारे में जिक्र किया जा रहा है, वह 90 के दशक की बड़ी एक्ट्रेसेज में शुमार रही है। उस दौरान उन्होंने कई बैक टू बैक हिट फिल्में भी दीं। आपको बता दें कि यहां बात अभिनेत्री रवीना टंडन (Raveena Tandon) के बारे में की जा रही हैं। जी हां रवीना और शोले के सांभा यानी अभिनेता मैक मोहन का काफी गहरा रिश्ता था।

दरअसल रवीना टंडन की मां वीना टंडन और मैक मोहन दोनों सगे भाई-बहन थे, इस आधार वह रवीना के मामा हुए। कई मीडिया इंटरव्यूज में रवीना टंडन ने इस बात का जिक्र किया है, वह अपने मामा के अभिनय की मुरीद थीं और उनकी मां उनके बारे में खूब बातें भी किया करती थी। इतना ही नहीं अपने मामा की वजह से ही रवीना के अंदर फिल्मी दुनिया में आने का जुनून जागा था।

आज रवीना टंडन अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। बतौर एक्ट्रेस उनका एक्टिंग करियर काफी शानदार रहा।

शादी से पहले बनीं मां

अभिनेत्री रवीना टंडन की निजी जिंदगी किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं रही है। शादी से पहले दो बेटियों को गोद लेने की वजह से वह मां बन गई थीं। दरअसल साल 1995 में महज 21 साल की उम्र में रवीना ने पूजा और छाया नाम की दो बच्चियों को गोद लिया, जोकि उनकी दूर की रिश्तेदार की बेटियां थीं। इस तरह से शादी से पहले ही रवीना सिंगल मदर कहलाईं। हालांकि, 22 फरवरी 2004 को रवीना टंडन ने फिल्म अनिल थडानी संग शादी रचाई। इसके बाद रवीना बायोलॉजिकल तौर पर दो बच्चों की मां बनीं, जिनमें राशा और बेटा रणबीरवर्धन के नाम शामिल हैं।

शादी से पहले ही बन गई थीं मां, हिट फिल्मों की लगाई थी झड़ी

मुंबई में 3 बार की थी बंगले की रेकी, आमिर बाहर नहीं निकले तो टारगेट बदला

दावा : टाइगर श्रॉफ नहीं, आमिर खान थे शूटरों का असली निशाना

मुंबई। मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुए हमले की जांच कर रही पुलिस को बड़ा सुराग मिला है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि 20 सितंबर को हरियाणा से मुंबई आए शूटरों का असली निशाना आमिर खान थे।

लॉरेंस गैंग के इशारे पर मुंबई पहुंचे शूटरों ने आमिर खान के घर की तीन बार रेकी की थी, लेकिन शूटिंग और सुरक्षा के चलते आमिर तक पहुंचना मुश्किल था।

इसके बाद शूटरों ने आसानी से मिल जाने के कारण टाइगर श्रॉफ को अपना निशाना बना लिया। टाइगर अक्सर जुहू के पार्क में फुटबॉल खेलने आते थे। सलमान खान की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन तक पहुंचना नामुमकिन था, इसलिए गैंग ने आमिर खान को अपना मेन टारगेट बनाया था। पूरी खबर पढ़ें जांच में सामने आया है कि शूटरों ने अभिनेताओं के घरों का ठिकाना देखने के लिए 3,000 रुपए में एक कैब किराए पर ली थी। उन्होंने बांद्रा और अंधेरी में कई सितारों के घरों के चक्कर लगाए। शूटरों ने अंधेरी में तीन बार अपने होटल बदले और 14 से 18 अक्टूबर तक 'आर आर रेजीडेंसी' होटल में ठहरे। 18 अक्टूबर की शाम जब टाइगर श्रॉफ जुहू के पुष्पा नरसी पार्क में फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे, तब हमलावरों ने उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बांद्रा में आमिर खान और टाइगर श्रॉफ के घर कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर हैं। रेकी के दौरान शूटरों ने देखा कि टाइगर श्रॉफ अक्सर बिना किसी भारी सुरक्षा के बाहर निकलते हैं और रविवार को जुहू पार्क में फुटबॉल खेलने पहुंचते हैं। यही वजह है कि शूटरों ने आमिर खान का प्लान छोड़कर आसान टारगेट के रूप में टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया।

■ टाइगर श्रॉफ पर हमला 18 अक्टूबर को हुआ था। इससे पहले हमलावरों ने आमिर खान की रेकी भी की थी।

> पुलिस सूत्रों के अनुसार लॉरेंस गैंग ने जुलाई में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए आमिर खान को धमकी दी थी।
>
> धमकी में आमिर और गौरी स्प्रैट की शादी को सनातन धर्म के खिलाफ बताया गया था और जल्द सबक सिखाने की बात कही गई थी।

■ शूटर्स ने आमिर के बांद्रा स्थित इसी घर की रेकी की थी।

आमिर की 3 बार रेकी की, लेकिन एक्टर नहीं दिखे

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 सितंबर को मुंबई पहुंचे शूटरों ने बांद्रा स्थित आमिर खान के घर के आसपास तीन बार रेकी की थी। हालांकि, आमिर खान ज्यादातर समय फिल्मों की शूटिंग के सिलसिले में बाहर रहते थे या कई दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलते थे।

अक्टूबर के पहले हफ्ते में जब हमलावरों को आमिर पर अटैक करना संभव नहीं लगा तो उन्होंने अंधेरी में टाइगर श्रॉफ पर नजर रखनी शुरू कर दी।

ट्रम्प ने नोबेल न मिलने पर नॉर्वे को गाली दी

नाराजगी

बोले- वहां के लोगों को अमेरिका नहीं आने देना चाहता

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। उन्होंने नॉर्वे को गाली देते हुए कहा कि वे वहां से किसी को अमेरिका नहीं आने देना चाहते हैं।

ट्रम्प ने मिशिगन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैंने 8 जंग रुकवाई। फिर भी मुझे नोबेल नहीं मिला। मैं नॉर्वे से किसी को यहां आने देना नहीं चाहता।

ट्रम्प ने फ्रांस में हाल में हुई हिंसा के लिए प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद नॉर्वे की आलोचना करते हुए कहा कि वह एक घटिया देश बन गया है। ट्रम्प लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उनके कूटनीतिक प्रयासों के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब सिर्फ ईरान और यूक्रेन जंग सुलझाने हैं।

ट्रम्प ने रविवार को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान नॉर्वे को गाली दी। इस दौरान उनके समर्थक तालियां बजा रहे थे।

ट्रम्प ने बताया कि पुरस्कार की घोषणा से पहले उन्हें उम्मीद थी कि यह सम्मान मिलेगा। उन्होंने अपनी पत्नी से भी कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार मिलना उनके लिए सम्मान की बात होगी।

2019 में पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए।

> **2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की नवी पिल्लै को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस पर नाराजगी जताई थी। 9 अक्टूबर को उन्होंने पिल्लै पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें कोई नहीं जानता।**
>
> **ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने 8 युद्ध खत्म कराने में मदद की है और उन्हें एक नहीं, बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे।**

जुलाई 2025 में नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोल्टेनबर्ग से फोन पर बातचीत में ट्रम्प ने नोबेल पुरस्कार पाने की इच्छा जताई थी। यह जानकारी नॉर्वे के अखबार की रिपोर्ट के हवाले से आई थी।

नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने पर ट्रम्प नाराज हो गए थे।

शांति पुरस्कार नॉर्वे की सरकार नहीं देती

नोबेल शांति पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की सरकार नहीं करती। विजेता का चुनाव स्वतंत्र नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। इस समिति में पांच सदस्य होते हैं, जिन्हें नॉर्वे की संसद नियुक्त करती है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर पहले भी ट्रम्प को यह बात समझा चुके हैं कि पुरस्कार का फैसला सरकार नहीं करती।

ट्रम्प 2018 से नोबेल शांति पुरस्कार मांग रहे

ट्रम्प के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों।

इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने खुलकर अपनी दावेदारी रखी। कहा कि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उन्हें नोबेल के लिए नामित किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे कभी नहीं जीत पाऊंगा।

आज सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी हुई

सोना 340 गिरकर 1.41 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने के दाम में आज यानी 26 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 340 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है। वहीं चांदी की कीमत आज बढ़ी है। एक किलो चांदी की कीमत 635 रुपए बढ़कर 1.94 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक का सोच कर खरीदारी करें। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड

(BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली मारिया मचाडो वेनेजुएला लौटीं

7 बार लौटने में नाकाम रहीं, गिरफ्तारी का खतरा था

करोकस, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो करीब 10 महीने बाद अपने देश लौट आई हैं। नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद वे पिछले साल देश छोड़कर चली गई थीं। दिसंबर 2025 में वह नोबेल शांति पुरस्कार लेने छिपकर वेनेजुएला से नॉर्वे गई थीं।

इस साल की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में तख्तापलट कर दिया। इसके बाद भी गिरफ्तारी के खतरे की वजह से वे देश नहीं लौट पाई थीं।

मचाडो कुछ समय अमेरिका में रहीं फिर वे पनामा चली गई थीं। उनके करीबी लोगों ने बताया कि वे कम से कम 7 बार लौटने की कोशिश कर चुकी थीं, लेकिन

असफल रहीं।

अमेरिका ने सुरक्षा कारणों से उन्हें जल्दबाजी में नहीं लौटने की सलाह दी थी। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पनामा और कोलंबिया की सरकारों के बीच तालमेल बनाकर उनके लौटने की राह बनाई। 2024 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में मचाडो खुद उम्मीदवार नहीं बन पाई थीं। सरकार ने उन पर 15 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद उन्होंने अपनी जगह एडमंडो गोंजालेज को उम्मीदवार बनाया, जिन्हें विपक्ष का समर्थन हासिल था। विपक्ष का दावा है कि गोंजालेज ने चुनाव जीता था, लेकिन सरकार ने निकोलस मादुरो को विजेता घोषित कर दिया। अब मचाडो चाहती हैं कि वेनेजुएला में अगले साल जुलाई तक चुनाव करा लिए जाएं। वे खुद भी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहती हैं। फिलहाल देश की अंतरिम नेता डेल्सी रोड्रिगेज हैं। उन्होंने कहा है कि देश में चुनाव होंगे, लेकिन अभी इसकी तारीख नहीं बताई है। अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम नेता के तौर पर समर्थन दिया।

ट्रम्प समर्थक बोल्सोनारो को हराया, उनके पिता को भी हरा चुके, भारत के लिए यह जीत अहम

लूला दा सिल्वा चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बने

ब्राजीलिया, एजेंसी

ब्राजील में लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया है। लूला ने 2022 के चुनाव में फ्लावियो के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को भी हराया था।

पहले दौर की वोटिंग में लूला, फ्लावियो बोल्सोनारो से पिछड़ गए थे, लेकिन दूसरे दौर में बाजी पलट दी। फ्लावियो को पहले चरण में 47% वोट मिले थे। वहीं लूला को 45% वोट मिले थे।

1989 में ब्राजील में सीधे राष्ट्रपति चुनाव शुरू हुए थे। उसके बाद यह पहली बार हुआ, जब पहले

लूला द सिल्वा 2002 से 2010 तक लगातार दो बार राष्ट्रपति रहे। इसके बाद 2022 में राष्ट्रपति चुनाव जीते।

राउंड में दूसरे नंबर पर रहने वाला उम्मीदवार आखिरी राउंड में जीतकर राष्ट्रपति बना।

1. पहला चरण: ब्राजील में सभी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं। अगर किसी को 50% से ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो वह सीधे राष्ट्रपति बन जाता है। अगर किसी को इतने वोट नहीं मिलते, तो सबसे ज्यादा वोट पाने वाले दो उम्मीदवार दूसरे चरण में पहुंचते हैं।

लूला दा सिल्वा राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में वोट डालने के बाद मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए। तस्वीर 25 अक्टूबर 2026 की है।

लूला ने गरीबों और मजदूरों को राहत देने का वादा किया था

गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने वाली सरकारी योजना के तहत मिलने वाली रकम 15% बढ़ाने की बात कही। लूला ने वादा किया कि वीकेंड पर देशभर में सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाएगी। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। उन्होंने गरीब परिवारों की आर्थिक हालत सुधारने, ज्यादा रोजगार के मौके पैदा करने और मजदूरों की जिंदगी बेहतर बनाने का वादा किया।

2. दूसरा चरण: इन दोनों उम्मीदवारों के बीच फिर से वोटिंग होती है। पहले चरण में बाहर हुए उम्मीदवारों के वोट अपने आप किसी को नहीं मिलते। दूसरे चरण में जिसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही राष्ट्रपति बनता है।

पहले राउंड में जो उम्मीदवार हार गए, उनके समर्थकों को दूसरे राउंड में लूला या फ्लावियो में से किसी एक को वोट देना था।

जेल गए, चुनाव हारे, फिर सत्ता में लौटे लूला

लूला 2002 से 2010 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। दो बार लगातार राष्ट्रपति रहने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। लूला का राजनीतिक सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2018 में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जेल जाना पड़ा था। बाद में उनकी सजा रद्द कर दी गई। इसके बाद वे 2022 का चुनाव लड़े और राष्ट्रपति बने।

रूस में यूक्रेन का भीषण हमला, दो लोगों की मौत और 17 घायल

मॉस्को। रूस के वोरोनिश इलाके में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे समेत 17 लोग घायल हो गए। वोरोनिश के गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने क्षेत्र में 113 ड्रोन मार गिराए हैं। गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने मैसेजिंग ऐप पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि रात भर चले हमलों के दौरान रूसी एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह सक्रिय रहा।

इलाके में 113 से अधिक ड्रोनों को नष्ट किया गया है। ड्रोन का मलबा गिरने और हमलों के कारण कई औद्योगिक क्षेत्रों में भीषण आग लग गई, जिस पर काबू पाने के लिए दमकल और आपातकालीन टीमें जुटी हुई हैं। रूसी रेलवे के अनुसार, इस हमले की चपेट में एक यात्री ट्रेन भी आ गई। यह ट्रेन क्रास्नोडार क्षेत्र के मशहूर पर्यटन शहर अनापा से राजधानी मॉस्को जा रही थी।

प्रधानमंत्री ने खुद इन्हें रखा था, इन पर लिखा था- बातचीत करें

अल्बानिया में छात्रों ने पीएम ऑफिस की कुर्सियां जलाईं

तिराना, एजेंसी

अल्बानिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने रविवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों में आग लगा दी। प्रधानमंत्री एदी रामा ने छात्रों से बातचीत करने के लिए ये कुर्सियां और पत्थर की एक बड़ी मेज रखवाई थी। कुर्सियों पर 'डायलॉग' यानी बातचीत लिखा था, लेकिन छात्रों ने बातचीत के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कुर्सियों पर 'इस्तीफा' लिखकर अपना विरोध जताया।

राजधानी तिराना में छात्र और युवा पिछले 13 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को प्रदर्शनकारी पहले शिक्षा मंत्रालय के बाहर जुटे।

यहां उन्होंने कुछ देर तक प्रदर्शन किया और इमारत पर पत्थर भी फेंके। इसके बाद वे प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ गए और वहां रखी कुर्सियों में आग लगा दी। परियोजना से जुड़े प्रस्ताव में लग्जरी होटल, विला, अपार्टमेंट और नौकाओं के लिए बंदरगाह जैसी सुविधाएं शामिल हैं। पर्यावरण संगठनों को आशंका है कि बड़े निर्माण से समुद्र तट, आर्द्रभूमि और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंच सकता है। इस इलाके में प्रवासी पक्षियों के अलावा समुद्री कछुए और सील जैसे जीव भी पाए जाते हैं। पश्चिमी अल्बानिया के नार्ता लैगून क्षेत्र का इलाका। यहां जेरेड कुशनर से जुड़ी तटीय विकास की एक बड़ी परियोजना का विरोध हो रहा है। पश्चिमी अल्बानिया के नार्ता लैगून क्षेत्र का इलाका। यहां जेरेड कुशनर से जुड़ी तटीय विकास की एक बड़ी परियोजना का विरोध हो रहा है।

ट्रम्प के दामाद के लग्जरी रिसॉर्ट बनाने का भी विरोध

एदी रामा सरकार के खिलाफ शुरू हुआ विरोध अब भ्रष्टाचार, शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण से जुड़े कई मुद्दों पर फैल गया है। इस विरोध की एक बड़ी वजह सरकारी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़ी लग्जरी रिसॉर्ट परियोजना को लेकर भी कई महीनों से नाराजगी है।

प्रधानमंत्री एडी रामा ने हिंसा और शहर में तोड़फोड़ रोकने के लिए नए कानूनी उपायों का ऐलान किया है। इसके तहत हिंसा में नुकसान उठाने वाले कारोबारियों को मुआवजा दिया जाएगा। छोटे कारोबारियों को नुकसान का पूरा मुआवजा मिलेगा, जबकि बड़े कारोबारियों को 70% रकम दी जाएगी।

तिब्बत में फिर भूकंप, तीव्रता 5.9 रही

पिछले 5 दिनों में दूसरा बड़ा भूकंप

ल्हासा, एजेंसी

तिब्बत में रविवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से 9 किलोमीटर नीचे थी।

तिब्बत में पिछले 5 दिनों में यह दूसरा बड़ा भूकंप आया है। इससे पहले 22 अक्टूबर को तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी।

वहीं, चीन के चिंघाई इलाके में 5.7 और नेपाल में भी 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए।

तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।

जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों

की जान गई थी। इसके झटके उत्तर भारत समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे।

इससे पहले 2010 में पड़ोसी चीनी प्रांत छिंगहाई के युशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी और करीब 300 लोग लापता हो गए थे।

नेपाल के भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, रविवार दोपहर बैतड़ी जिले के दिलासैनी इलाके में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह इलाका सुदूरपश्चिम प्रांत में नेपाल-भारत सीमा के पास है। भूकंप के झटके बैतड़ी और दार्चुला जिलों के आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए।

जश्न: पुतिन समर्थक पीएम पद के उम्मीदवार वुचिच हारे, देश में 2 साल से प्रदर्शन चल रहे

सर्बिया में छात्र संगठनों ने चुनाव जीता

बेलग्रेड, एजेंसी

सर्बिया में छात्र संगठनों के गठबंधन 'स्टूडेंट लिस्ट' ने चुनाव जीत लिया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के करीबी पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच की पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। वे PM पद के उम्मीदवार थे। उन्होंने सितंबर में ही राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था।

वुचिच के मुताबिक, छात्र गठबंधन को संसद की 250 में से कम से कम 135 सीटें मिली हैं। वहीं, वुचिच की पार्टी को करीब 105 सीटें मिलने का अनुमान है।

नवंबर 2024 में सर्बिया के नोवी साद शहर के रेलवे स्टेशन की छतरी गिर गई थी। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और हादसे के लिए

अलेक्जेंडर वुचिच की हार के बाद लोगों ने सड़कों पर जश्न मनाया।

जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठाए।

धीरे-धीरे आंदोलन बढ़ता गया। छात्र सरकार पर भ्रष्टाचार और सत्ता का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगाने लगे।

अलेक्जेंडर वुचिच 2014 से 2017 तक सर्बिया के प्रधानमंत्री रहे। 2017 में राष्ट्रपति बने और 2022 में दूसरी बार यह पद जीता। सर्बिया के संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। इसलिए वुचिच तीसरी बार इस पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते थे।

बेलग्रेड में हजारों लोग जश्न मनाने सड़कों पर उतरे

वुचिच के हार मानने के बाद राजधानी बेलग्रेड समेत कई शहरों में लोगों ने जश्न मनाया। हजारों लोग सड़कों पर आ गए। लोगों ने सर्बिया के झंडे लहराए, गाड़ियों के हॉर्न बजाए और पटाखे फोड़े। जश्न मनाने वालों में बड़ी संख्या युवाओं की थी। चुनाव में करीब 70% लोगों ने वोट डाले। 1992 में यूगोस्लाविया के टूटने के बाद से यह सबसे ज्यादा मतदान वाले चुनावों में से एक माना जा रहा है।

उनका दूसरा कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन उन्होंने सितंबर 2026 में ही राष्ट्रपति पद छोड़ दिया। इसके बाद वे संसदीय चुनाव के जरिए फिर से सरकार की कमान संभालना चाहते थे। उनकी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी (SNS) ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था।

सर्बिया में राष्ट्रपति देश के प्रमुख होते हैं, जबकि प्रधानमंत्री सरकार चलाते हैं। राष्ट्रपति पद पर दो कार्यकाल पूरे करने के बाद भी वुचिच प्रधानमंत्री बन सकते थे। इसी रास्ते से वे सत्ता में बने रहना चाहते थे।

अलेक्जेंडर वुचिच ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोबोदान मिलोशेविच की सरकार में सूचना मंत्री के तौर पर की थी।

छात्र गठबंधन को करीब 22 लाख वोट और वुचिच की पार्टी को 17.2 लाख वोट मिले। अंतिम आधिकारिक नतीजे अभी घोषित नहीं हुए हैं।

छात्र संगठन पिछले 2 साल से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि भ्रष्टाचार और तानाशाही की सरकार चल रही है।

भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन पहुंचा श्रीलंका

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सोमवार को श्रीलंका पहुंचा। इसमें दो युद्धपोत और एक तटरक्षक जहाज शामिल हैं। यह तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है। यह यात्रा एक लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा है। कोच्चि स्थित अपने बेस पोर्ट पर लौटने से पहले, यह स्क्वाड्रन सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया और मालदीव के माले में भी रुकेगा। यह स्क्वाड्रन भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र विदेशी नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को शुरुआती समुद्री प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी और आइएनएस 'तीर' के कमांडिंग आफिसर कैप्टन टीजो के. जोसेफ की कमान में है। भारतीय मिशन

- **भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण स्क्वाड्रन श्रीलंका पहुंचा।**
- **तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा समुद्री सहयोग को बढ़ावा देगी।**
- **श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल।**

ने बताया कि श्रीलंका नौसेना के पांच प्रशिक्षु अधिकारी भी इस लंबी दूरी के प्रशिक्षण अभियान में शामिल हो रहे हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676